राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय
दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 23 नवंबर 2026 वर्ष-9,अंक-288 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात में दो सड़क हादसों में 10 मौतें

● 7 मृतक सेना के जवानों के परिवारों से थे, स्विफ्ट में आग से 3 जिंदा जले, इन्फ्लुएंसर बची

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में शनिवार रात और रविवार सुबह दो सड़क हादसों में 10 लोगों की मौत हो गई। पहला हादसा कच्छ में हुआ, जहां ट्रक और कार की टक्कर में 7 लोगों की जान चली गई। हादसा इतना भयानक था कि कार दो हिस्सों में बंट गई।

दूसरा हादसा केशोद-बालागाम रोड पर हुआ। जूनागढ़ से माधवपुर जा रही तेज रफ्तार स्विफ्ट कार मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलट गई और उसमें आग लग गई। कार में सवार चार में से तीन लोगों की



जलकर मौत हो गई। इन्फ्लुएंसर कृष्णा चूड़ासमा शीशा टूटने के बाद बाहर गिरीं, जिससे जान बच गई। कच्छ में कार दो हिस्सों में बंटकर अलग गई। वहीं, जूनागढ़ में कार पूरी तरह जल गई।

कच्छः मरने वाले लोग सेना के जवानों के परिजन थे

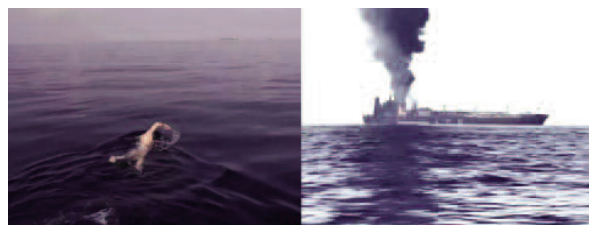
कच्छ में हादसा रात करीब 10 बजे हुआ। ट्रक और कार की आमने-सामने टक्कर हुई। कार में सवार सभी सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं और तीन बच्चे शामिल हैं। इनमें एक बच्चा सिर्फ तीन महीने का था।

कार के मलबे में फंसे शव, निकालने में लगे कई घंटे

टक्कर के बाद कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इसमें फंसे शवों को बाहर निकालने में बचाव दल को कई घंटे लगे। मृतकों की पहचान सौरभ सिंह नेगी (30), उनकी पत्नी सविता (30) और उनकी तीन महीने की बेटी शिविका के रूप में हुई है। इनके अलावा राजेश सिंह रावत (35), उनकी सात साल की बेटी रक्षित, रिंकी गोसाई (30) और उनकी चार साल की बेटी वामिका की भी मौत हुई है।

ब्रिटिश तैराक ने तैरकर 3 दिन में होर्मुज पार किया

तेल टैंकर पर हमले देखे, समुद्री पर्यावरण को बचाने के लिए दुनिया से अपील की



लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के मशहूर तैराक लुईस प्यू ने जंग के बीच होर्मुज स्ट्रेट में तैराकी की। उन्होंने 3 दिन में करीब 15 किलोमीटर का सफर तैरकर पूरा किया। इस दौरान उन्होंने तेल टैंकर और जहाजों पर हमला होते देखा। 56 साल के प्यू संयुक्त राष्ट्र (यूएस) में समुद्रों की सुरक्षा से जुड़े विशेष प्रतिनिधि हैं। उन्होंने यह तैराकी जंग के कारण समुद्री जीवों और पर्यावरण को हो रहे नुकसान की ओर दुनिया का ध्यान खींचने के लिए की। उनका कहना है कि जंग खत्म होने के बाद भी तेल और केमिकल से होने वाला प्रदूषण समुद्र को कई दशकों तक नुकसान पहुंचा सकता है।जहां प्यू तैराकी कर रहे थे उसके कुछ ही दूरी पर एक जहाज पर हमला हुआ था।

कानपुर में चौथी शादी की तैयारी थी; पकड़े जाने पर रोने लगी

तीन पतियों को छोड़कर लिव-इन में रह रही थी दुल्हन

कानपुर (एजेंसी)। तीन शादियां करने वाली कानपुर की दुल्हन चौथे युवक के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रह रही थी। वह चौथी शादी की तैयारी में थी, तभी उसके कारनामों का भंडाफोड़ हो गया। मामला बर्रा थाना क्षेत्र का है। तीसरे पति ने आरोपी दुल्हन पर 16 लाख रुपए के जेवर और कैश लेकर फरार होने का आरोप लगाया था।



प्रगति की मां ने मामला दबाने के लिए 20 लाख रुपए मांगे

विशाल का आरोप है कि 13 अगस्त 2026 को वह अपने छोटे भाई के साथ प्रगति के पिता अशोक कुमार विश्वकर्मा के घर पहुंचा। उसने प्रगति की पिछली शादियां छिपाने को लेकर जवाब मांगा।

युवती का साथ उसका परिवार भी देता था

पुलिस ने प्रगति के साथ उसे गोद लेने वाले पिता अशोक विश्वकर्मा, मां सीमा, अर्रा केडीए कॉलोनी में रहने वाली उसकी सगी मां सोमवती, मौसी कोमल और मौसा शरद सैनी को गिरफ्तार कर लिया। अशोक और सीमा रिश्ते में प्रगति के मौसा-मौसी भी हैं। वहीं, उसकी एक अन्य मौसी ललिता और मामी गोमती विश्वकर्मा अभी फरार हैं।

डीसीपी साउथ बोले- यह पूरा गैंग है

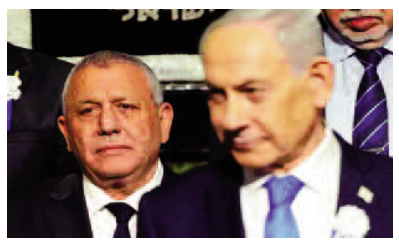
डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया- यह पूरा एक गैंग है, जो सीधे-साधे लोगों को अपने जाल में फंसाता था। गिरोह की महिला सदस्य से उनकी शादी कराई जाती थी।

संक्षिप्त समाचार

नेतन्याहू के साथ मिलकर सरकार बनाने को तैयार आइजनकोट

● पीएम बनाने की शर्त रखी, 7 दिन पहले कहा था- नेतन्याहू की चाल में नहीं फंसूंगा

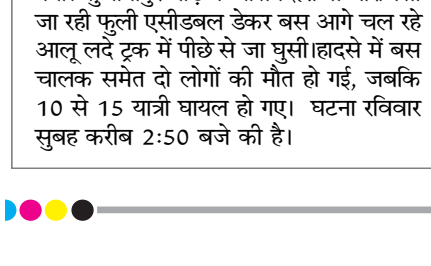
तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल में नई सरकार बनाने के लिए याशार पार्टी के प्रमुख गादी आइजनकोट ने कार्यवाहक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की पार्टी लिकुड को बुलाया



है। दोनों पार्टियों के बीच रविवार को गठबंधन सरकार बनाने को लेकर बातचीत होगी। आइजनकोट ने साफ किया है कि नई सरकार बनने पर प्रधानमंत्री वह खुद बनेंगे।इसके एक हफ्ते पहले नेतन्याहू ने आइजनकोट से अपील की थी कि मिलकर सरकार बनाते हैं। लेकिन आइजनकोट ने कहा था कि नेतन्याहू चुनाव हार चुके हैं। उनकी चाल में नहीं फंसूंगा।

बांग्लादेश में हिंसा के बीच 100 आईईडी बम मिले

● म्यांमार से तस्करी कर लाए थे; सुरक्षा एजेंसी का दावा- बड़े हमले की तैयारी थी



ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के कॉक्स बाजार जिले में सीमा सुरक्षा बल ने छापेमारी कर 100 से ज्यादा आईईडी बम, 2 बंदूकें और 254 कारतूस बरामद किए हैं। इस मामले में 2 ऑटो रिक्शा चालकों को हिरासत में लिया गया है। बीजीबी के मुताबिक, हथियार और विस्फोटक म्यांमार से तस्करी कर लाए गए थे। आशंका है कि इनका इस्तेमाल बांग्लादेश में किसी बड़ी हिंसक घटना को अंजाम देने के लिए किया जाना था। हालांकि, जांच एजेंसी को अभी यह पता नहीं चला है कि संभावित हमले का निशाना कौन था।

फतेहपुर में ट्रक से टकराई डबल डेकर बस, दो की मौत

फतेहपुर (एजेंसी)। फतेहपुर के खागा कोतवाली क्षेत्र में रविवार तड़के कानपुर-प्रयागराज हाईवे पर भीषण सड़क हादसा हो गया। सुजानीपुर मोड़ के पास दिल्ली से वाराणसी जा रही फुली एसीडबल डेकर बस आगे चल रहे आलू लदे ट्रक में पीछे से जा घुसी।हादसे में बस चालक समेत दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 से 15 यात्री घायल हो गए। घटना रविवार सुबह करीब 2:50 बजे की है।

23.42 लाख श्रद्धालुओं ने बद्री विशाल और 19.33 लाख श्रद्धालुओं ने भगवान केदार के किए दर्शन

बद्रीनाथ-केदारनाथ में चढ़ावे से 107 करोड़ रुपए मिले

चमोली (एजेंसी)। इस साल चारधाम यात्रा में बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की संख्या के साथ चढ़ावे की रकम में भी बढ़ोतरी हुई है। दोनों धामों में श्रद्धालुओं की ओर से चढ़ावे के रूप में कुल 107 करोड़ रुपए बीकेटीसी को मिले।

मंदिर समिति के मुताबिक, यह आय पिछले वर्षों के रिकॉर्ड से अधिक है। बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी सोहन सिंह रांगड़ के मुताबिक, इस साल बद्रीनाथ धाम में 23.42 लाख श्रद्धालुओं ने भगवान बद्री विशाल के दर्शन किए।

वहीं, केदारनाथ धाम में 19.33 लाख श्रद्धालु बाबा केदार के दरबार पहुंचे। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या से धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिला।

सर्दियों में जोशीमठ और ऊखीमठ में हो रहे दर्शन

बीकेटीसी के मुख्य कार्याधिकारी ने बताया कि बद्रीनाथ और केदारनाथ धामों में शीतकालीन पूजा शुरू हो चुकी है।भगवान बद्रीविशाल की पूजा जोशीमठ स्थित नृसिंह मंदिर में की जा रही है, जबकि भगवान केदारनाथ की पूजा ऊखीमठ में हो रही है।



गर्मियों में नहीं कर पाए दर्शन तो सर्दियों में पहुंचें

रांगड़ ने श्रद्धालुओं से अपील की कि जो लोग गर्मियों की यात्रा के दौरान बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम के दर्शन नहीं कर पाए, वे सर्दियों में जोशीमठ और ऊखीमठ पहुंचकर पूजा-अर्चना कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इससे शीतकालीन यात्रा को भी बढ़ावा मिलेगा।

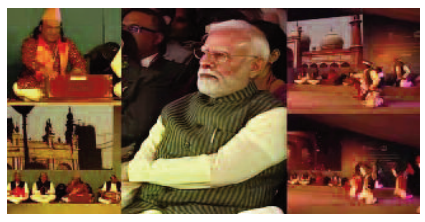
स्थानीय कारोबार को भी मिला सहारा

रांगड़ ने कहा कि चारधाम यात्रा से उत्तराखंड के स्थानीय लोगों की आजीविका और स्वरोजगार को मदद मिली है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में यात्रा को और बेहतर बनाने के लिए जरूरी इंतजाम किए जाएंगे, ताकि श्रद्धालुओं को दर्शन के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने यात्रा के सफल संचालन में राज्य सरकार, जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के सहयोग की भी सराहना की।

'दमादम मस्त कलंदर' पर झूम उठी एससीओ की महफिल

पीएम मोदी भी हुए सूफी संगीत के मुरीद

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली के पुराने किले में सजी महफिल में जब 'दमादम मस्त कलंदर ' की गूंज उठी तो माहौल सूफियाना रंग में रंग गया। सुरों की ऐसी तान छिड़ी कि वहां मौजूद मेहमान भी संगीत



की मस्ती में डूबते नजर आए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस खास महफिल का आनंद लिया। मौका था शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सभ्यता संवाद मंच का, जहां अलग-अलग देशों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी में सूफी संगीत ने सरहदों से परे एक साझा सांस्कृतिक तस्वीर पेश की।

कुतबी ब्रदर्स की कव्वाली ने बांधा समां- नई दिल्ली के ऐतिहासिक पुराने किले में आयोजित एससीओ सभ्यता संवाद मंच के दौरान कुतबी ब्रदर्स ने लाइव कव्वाली की प्रस्तुति दी। उनकी आवाज में जब 'दमादम मस्त कलंदर' और 'हो लाल मेरी पत रखियो, बला झूले लालन' जैसे मशहूर कलाम गूंजे तो पूरा माहौल सूफियाना हो गया।

सभी एक ही परिवार के; ख्वाजूश्यामजी से लौट रहे थे

राजस्थान में खड़े ट्रक में घुसी क्रूजर, 9 की मौत

कोटा (एजेंसी)। राजस्थान के कोटा-उदयपुर नेशनल हाईवे-52 पर शनिवार देर रात एक बजे तेज रफ्तार क्रूजर सड़क किनारे खड़े ट्रक से पीछे से टकरा गई। हादसे में क्रूजर सवार एक ही परिवार के 9 लोगों की मौत हो गई। इनमें दो बच्चे थे।

ट्रक ड्राइवर सहित 7 लोग घायल हुए हैं। हादसा कोटा के नाता थाना क्षेत्र में शंभूपुरा गांव के पास हुआ। शव और घायल गाड़ी में फंस गए, जिन्हें पुलिस ने लोगों की मदद से निकालकर न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल भिजवाया।



सीएम ने कहा- अत्यंत पीड़ादायक

सीएम भजनलाल शर्मा ने X पर लिखा- कोटा-उदयपुर हाईवे पर शंभूपुरा के पास सड़क हादसे में हुई जनहानि का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। संबंधित अधिकारियों को घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने तथा प्रभावित परिवारों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

आंध्र प्रदेश में बाइक सवार को बचाने में एसयूवी दूसरी लेन में घुसी, टक्कर से 2 की मौत; 3 घायल

आंध्र प्रदेश के काकीनाडा जिले में हाईवे पर हुए सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ, जब सर्विस लेन से निकला एक बुजुर्ग बाइक सवार हाईवे पार करने लगा। उसे बचाने के लिए तेज रफ्तार नीली एसयूवी के ड्राइवर ने गाड़ी दूसरी लेन में मोड़ दी।इस दौरान सामने से आ रही सफेद एसयूवी से उसकी टक्कर हो गई।

अयोध्या से नेपाल के जनकपुर तक अब जाएगी ट्रेन

पीएम मोदी-बालेन शाह आज करेंगे उद्घाटन



अयोध्या (एजेंसी)। श्रीराम की नगरी अयोध्या से माता सीता की जन्मस्थली नेपाल के जनकपुर धाम तक अब सीधी ट्रेन सेवा शुरू होने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह सोमवार को जनकपुर धाम-अयोध्या कैंट एक्सप्रेस (15595/15596) का वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। दोनों प्रधानमंत्री ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। इस दौरान सीएम योगी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव अयोध्या में कार्यक्रम स्थल पर मौजूद रहेंगे।रेलवे के मुताबिक, आम यात्रियों के लिए ट्रेन का नियमित संचालन 28 नवंबर से शुरू होगा।

जयनगर स्टेशन पर होगी दस्तावेजों की जांच

भारत से नेपाल जाने वाली यह ट्रेन अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करेगी। ऐसे में सुरक्षा और निर्धारित नियमों के तहत बिहार के जयनगर स्टेशन पर यात्रियों के पहचान पत्र और जरूरी दस्तावेजों की जांच की जाएगी। इसी प्रक्रिया के चलते ट्रेन को जयनगर स्टेशन पर लंबा ठहराव दिया गया है। जनकपुर से अयोध्या आने के दौरान यहां एक घंटे और अयोध्या से जनकपुर जाने के दौरान दो घंटे का ठहराव होगा।

राजस्थान के माउंट आबू में ओस जमी, पारा 0 डिग्री पहुंचा

मप्र-छत्तीसगढ़ और बिहार में बारिश; यूपी के 24 जिलों में घना कोहरा



नईदिल्ली/जयपुर/पटना/भोपाल/लखनऊ (एजेंसी)। दिल्ली, राजस्थान,बिहार, मप्र, उप्र,समेत देश के कई राज्यों में ठंड बढ़ गई है। राजस्थान के 6 शहरों में शनिवार रात न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। माउंट आबू में पारा 0 डिग्री तक पहुंच गया। ठंड के कारण गाड़ियों पर ओस जम गई।

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और बिहार में चक्रवात 'अकवान' के चलते बारिश होने और पहाड़ों पर बर्फबारी के असर से मौसम बदल गया है। एमपी के जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में बारिश हो रही है।

बिहार में रविवार सुबह नालंदा और भागलपुर में बारिश हुई। पिछले 24 घंटे में पटना समेत 9 जिलों में बारिश दर्ज की गई। उत्तर प्रदेश के 24 जिलों में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा।

सर्दी के साथ प्रदूषण भी बढ़ा – सर्दी बढ़ने के साथ प्रदूषण का स्तर भी बढ़ रहा है। राजस्थान के बीकानेर में एक्यूआई 311, भिवाड़ी में 301 में दर्ज हुआ। दिल्ली की हवा की गुणवत्ता शनिवार को भी 'खराब' कैटेगरी में बनी रही। एक्यूआई 265 दर्ज किया गया।दरअसल, सर्दी में हवा ठंडी और भारी होने लगती है, उसकी रफ्तार भी कम हो जाती है।



मप्र : 12 जिलों में बारिश का अलर्ट; पहाड़ों पर बर्फबारी से बढ़ी ठंड

चक्रवाती तूफान 'अकवान' और पहाड़ों पर बर्फबारी के असर से मध्य प्रदेश में मौसम बदल गया है। जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में बारिश हो रही है, जबकि भोपाल, इंदौर और उज्जैन में ठंड बढ़ गई है। रविवार को 12 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, शाजापुर में न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया।

यूपी: 24 जिलों में घना कोहरा, 4 जिलों में बारिश का अलर्ट; हरदोई में रात का पारा 11 डिग्री पहुंचा

उत्तर प्रदेश के 24 जिलों में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। संभल, मुजफ्फरनगर, देवरिया और बुलंदशहर समेत कई जिलों में विजिबिलिटी कम रही। ग्रामीण इलाकों में 10 मीटर दूर तक देखना मुश्किल हो गया। हरदोई में रात का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय रेल की अनुठी पहल रेल संपर्क से भारत-नेपाल के कूटनीतिक रिश्तों को मिलेगी नई मजबूती

(लेखक-विनोद सिंह 'तकियावाला)

आधुनिक रेल सुविधाएं इस आत्मीयता को व्यावहारिक रूप से और मजबूत कर सकती हैं। भारतीय रेल की यह पहल पड़ोसी देशों के साथ विकास आधारित कूटनीति को आगे बढ़ाने का भी उदाहरण है। अन्य रेल परियोजनाओं से बढ़ेगा सीमा-पार संपर्क अयोध्या-जनकपुर रेल सेवा के साथ भारत और नेपाल के बीच अन्य रेल अवसंरचना परियोजनाओं पर भी काम आगे बढ़ रहा है।

अयोध्या धाम से जनकपुर धाम तक नई अंतरराष्ट्रीय रेल सेवा का 23 नवंबर को शुभारंभ करेंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह;

धार्मिक पर्यटन, सांस्कृतिक विरासत, व्यापार और क्षेत्रीय सहयोग को मिलेगी नई गति

भारत और नेपाल के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक, धार्मिक, सामाजिक और ऐतिहासिक संबंधों को आधुनिक परिवहन सुविधाओं के माध्यम से नई ऊँचाई देने की दिशा में भारतीय रेल एक महत्वपूर्ण पहल करने जा रही है। दोनों पड़ोसी देशों के बीच रेल संपर्क का विस्तार केवल यात्रियों की आवाजाही को सुगम बनाने वाली परिवहन परियोजना नहीं है, बल्कि यह आपसी विश्वास, सांस्कृतिक साझेदारी और कूटनीतिक संबंधों को मजबूत करने का प्रभावशाली माध्यम भी बन रहा है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश के अयोध्या धाम और नेपाल के जनकपुर धाम के बीच नई एक्सप्रेस रेल सेवा का शुभारंभ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। 23 नवंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह इस नई ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

यह पहल भारत और नेपाल के ऐतिहासिक रिश्तों को विकास तथा आधुनिक कनेक्टिविटी के नए आयाम से जोड़ने का संदेश देती है। अयोध्या और जनकपुर को जोड़ने वाली ऐतिहासिक रेल सेवा अयोध्या भगवान श्रीराम की जन्मभूमि है, जबकि नेपाल स्थित जनकपुर धाम माता सीता की जन्मस्थली के रूप में विश्वभर के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। दोनों धार्मिक स्थलों का संबंध रामायणकालीन सांस्कृतिक विरासत और भारत-नेपाल की साझा आध्यात्मिक परंपरा से जुड़ा हुआ है। ऐसे में इन दोनों तीर्थस्थलों के बीच रेल सेवा की शुरुआत धार्मिक पर्यटन और सांस्कृतिक संपर्क को नई दिशा देने वाली पहल है। इस रेल सेवा से उत्तर प्रदेश और बिहार के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों को भी बेहतर रेल सुविधा मिलेगी। निर्धारित प्रमुख ठहरावों में गोरखपुर, बस्ती, रक्सौल, सीतामढ़ी, मधुबनी और जयनगर शामिल हैं। इन स्टेशनों के माध्यम से अनेक जिलों के यात्रियों को धार्मिक यात्रा, पारिवारिक मुलाकात और अन्य आवश्यक यात्राओं के लिए सुविधाजनक संपर्क उपलब्ध होगा। सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों के लिए यह सेवा विशेष महत्व रखती है, क्योंकि भारत और नेपाल के बीच सामाजिक तथा पारिवारिक संबंध लंबे समय से एक-दूसरे से जुड़े रहे हैं। धार्मिक पर्यटन के साथ आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन भारत और नेपाल की साझा धार्मिक विरासत दोनों देशों के बीच आत्मीयता का मजबूत आधार है। अयोध्या और जनकपुर धाम के बीच बेहतर रेल संपर्क से श्रद्धालुओं और पर्यटकों की यात्रा अधिक सुविधाजनक होने की उम्मीद है। इससे दोनों देशों के धार्मिक पर्यटन स्थलों के बीच यात्रियों की आवाजाही बढ़ सकती है। पर्यटन का विस्तार केवल मंदिरों और तीर्थस्थलों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इसका सकारात्मक प्रभाव स्थानीय अर्थव्यवस्था पर भी पड़ता है। यात्रियों की संख्या बढ़ने से होटल, धर्मशालाओं, स्थानीय दुकानों, परिवहन सेवाओं और पर्यटन से जुड़े व्यवसायों को नए अवसर मिल सकते हैं। इससे सीमावर्ती क्षेत्रों में रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलने की संभावना है। धार्मिक पर्यटन के माध्यम से दोनों देशों के नागरिक एक-दूसरे की परंपराओं, संस्कृति और सामाजिक जीवन को अधिक निकटता से समझ सकेंगे। इस प्रकार रेल सेवा आस्था, पर्यटन और आर्थिक विकास के बीच एक प्रभावी सेतु बन सकती है। भारत-नेपाल संबंधों में रेल संपर्क का रणनीतिक महत्व दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय सहयोग और आर्थिक विकास के लिए मजबूत परिवहन नेटवर्क की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत और नेपाल के बीच बेहतर रेल संपर्क से लोगों की आवाजाही आसान होने के साथ व्यापारिक गतिविधियों और सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास को भी समर्थन मिलेगा। नई ट्रेन सेवा इसी व्यापक सोच का हिस्सा है। इसका महत्व केवल दो धार्मिक स्थलों को जोड़ने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दोनों देशों के बीच नियमित जनसंपर्क और आपसी सहयोग को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। भारत और नेपाल के संबंधों की विशेषता यह है कि दोनों देशों के नागरिकों के बीच ऐतिहासिक, पारिवारिक और सांस्कृतिक आत्मीयता रही है। आधुनिक रेल सुविधाएं इस आत्मीयता को व्यावहारिक रूप से और मजबूत कर सकती हैं। भारतीय रेल की यह पहल पड़ोसी देशों के साथ विकास आधारित कूटनीति को आगे बढ़ाने का भी उदाहरण है। अन्य रेल परियोजनाओं से बढ़ेगा सीमा-पार संपर्क अयोध्या-जनकपुर रेल सेवा के साथ भारत और नेपाल के बीच अन्य रेल अवसंरचना परियोजनाओं पर भी काम आगे बढ़ रहा है। जयनगर-बिजलपुरा-बर्दीबास तथा जोगबनी-विराटनगर रेल संपर्क इस दिशा में महत्वपूर्ण परियोजनाएं हैं, जिनका विकास विभिन्न चरणों में किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त प्रस्तावित रक्सौल-काठमांडू रेल लाइन दोनों देशों के बीच भविष्य में रेल कनेक्टिविटी के विस्तार की व्यापक परिकल्पना का हिस्सा है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से सीमावर्ती क्षेत्रों के बीच संपर्क बेहतर बनाने, यात्रियों की आवाजाही को सुगम करने और व्यापारिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के नए अवसर पैदा हो सकते हैं। रेल संपर्क के विस्तार के साथ तकनीकी और संस्थागत सहयोग भी महत्वपूर्ण है। इसी उद्देश्य से क्षमता निर्माण के अंतर्गत नेपाल रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों को वडोदरा स्थित गतिशक्ति विश्वविद्यालय में ट्रेन परिचालन से संबंधित विभिन्न पहलुओं का प्रशिक्षण दिया गया है। यह पहल दोनों देशों के बीच रेलवे क्षेत्र में ज्ञान, कौशल और तकनीकी अनुभव साझा करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। कनेक्टिविटी से आगे बढ़ती साझेदारी आज के दौर में किसी भी देश की विकास यात्रा केवल अपनी सीमाओं के भीतर आधारभूत संरचना विकसित करने तक सीमित नहीं रह सकती। पड़ोसी देशों के साथ बेहतर परिवहन, व्यापार और सांस्कृतिक संपर्क क्षेत्रीय समृद्धि के लिए आवश्यक हैं। भारत और नेपाल के बीच रेल नेटवर्क का विस्तार इसी दृष्टिकोण को साकार करने का प्रयास है। अयोध्या और जनकपुर धाम को जोड़ने वाली नई ट्रेन सेवा साझा धार्मिक विरासत को आधुनिक रेल अवसंरचना से जोड़ने का अवसर प्रदान करेगी। इसके साथ ही प्रस्तावित और निर्माणाधीन रेल परियोजनाएं भविष्य में दोनों देशों के बीच संपर्क को और व्यापक बना सकती हैं। निस्संदेह, 23 नवंबर को प्रस्तावित नई रेल सेवा का शुभारंभ भारत-नेपाल संबंधों में एक महत्वपूर्ण पड़ाव होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह की संयुक्त पहल से यह संदेश जाएगा कि पड़ोसी देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को मजबूत बनाने में विकास, जनसंपर्क और सांस्कृतिक साझेदारी की निर्णायक भूमिका है। अयोध्या से जनकपुर तक दौड़ने वाली यह रेलगाड़ी केवल यात्रियों को उनके गंतव्य तक नहीं पहुंचाएगी, बल्कि साझा आस्था, ऐतिहासिक विरासत और आपसी विश्वास को भी नई गति देने का माध्यम बनेगी। मजबूत रेल संपर्क के माध्यम से भारत और नेपाल एक समृद्ध, सहयोगी और परस्पर जुड़ा हुआ दक्षिण एशिया बनाने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

संपादकीय

आपत्तिजनक हरकत

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अपने नेताओं के इंस्टाग्राम अकाउंट निलंबित करने का आरोप लगाते हुए मेटा के हैदराबाद, मुंबई और गुरुग्राम के कार्यालयों में जो तोड़फोड़ और हंगामा किया, वह अराजकता का प्रदर्शन ही है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मानें तो यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राष्ट्रीय प्रभारी के इंस्टाग्राम अकाउंट मनमाने ढंग से निलंबित कर दिए गए और यह काम भाजपा सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के दबाव में किया गया। यह हास्यास्पद है, क्योंकि इस तरह के मामलों में जहां मेटा का यह तर्क रहता है कि वह भारत के कानूनों का पालन करती है, वहीं सरकार भी कई बार यह स्पष्ट कर चुकी है कि वह किसी अकाउंट को निलंबित करने का आदेश तब देती है, जब उससे सार्वजनिक या राष्ट्रीय सुरक्षा को हानि पहुंचाने वाली सामग्री पोस्ट की गई हो। मेटा अथवा इन जैसी कंपनियों की किसी कार्रवाई का विरोध अलग बात है, लेकिन उनके दफ्तरों में घुसकर तोड़फोड़ करना अलग बात। दुर्भाग्य से कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हैदराबाद में मेटा कार्यालय के अंदर घुसकर गमले तोड़ दिए तो मुंबई में उसके कार्यालय की दीवारों पर पेंट से नारे लिखे और सुरक्षा गाड़ीं से हाथापाई भी की। गुरुग्राम में उन्होंने मेटा कार्यालय के गेट पर ताला जड़ दिया। इस तरह की हरकतें बहुराष्ट्रीय कंपनियों को गलत संदेश देने और अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के बीच भारत की प्रतिष्ठा को क्षति पहुंचाने वाली हैं। यदि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को विरोध जताना ही था तो उसके लिए अन्य शालीन और प्रभावी तरीके अपनाए जा सकते थे। मेटा से यह पूछा जा सकता था कि उसने किन कारणों से यूथ कांग्रेस के नेताओं के अकाउंट निलंबित किए। वे अदालत का दरवाजा भी खटखटा सकते थे। भारत समेत दुनिया भर में ऐसा ही किया जाता है। कांग्रेस के उग्र कार्यकर्ताओं ने आपत्तिजनक राह पकड़ी। उन्होंने मेटा के कार्यालयों के बाहर हिंसक प्रदर्शन करने के साथ ही उसे सात दिन के अंदर निलंबित अकाउंट बहाल करने का अल्टीमेटम भी दे दिया। यह एक तरह की धमकी ही है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को इतनी समझ होनी ही चाहिए कि इंस्टाग्राम, फेसबुक, एक्स अथवा ऐसे ही अन्य डिजिटल प्लेटफार्म जिस तकनीक के तहत कार्य करते हैं, उसमें एल्गोरिदम की मुख्य भूमिका होती है और वह स्वत- कुछ शब्दों को आपत्तिजनक मानकर या तो पोस्ट हटा देता है अथवा अकाउंट ही निलंबित कर देता है। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि कुछ समय पहले मेटा ने फेसबुक पर प्रधानमंत्री मोदी के एक वायरल वीडियो को कुछ घंटों के लिए सीमित कर दिया था। ऐसे में इसे कुतर्क ही कहा जाएगा कि मेटा सरकार के इशारे पर विपक्ष की आवाज दबा रही है।

कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि कुछ समय पहले मेटा ने फेसबुक पर प्रधानमंत्री मोदी के एक वायरल वीडियो को कुछ घंटों के लिए सीमित कर दिया था।

पर्व त्योहारों मे फ्लाइट की मनमानी का कारण है ट्रेन में ओवर लोड

(लेखक - संजय गोस्वामी)

लौकिक जगत् के प्राणी के जीवन में अनेक उत्थान पतन आते हैं। उसे कभी सफलता मिलती है तो कभी विफलता। विफलता मिलती है तो वह रोता है। जीवन को सुख-दु:ख का मिश्रण मानकर भगवन की शरण लेता है। उसकी आराधना करता है। उसके सामने मनौतीयाँ मानता है। उसकी पूजा करता है। व्रत रखता है । प्रभु का गुण-गान करता है और सुनता है । व्रतों को कथाओं के माध्यम से दैवी तथा असुरी वृतियों का परिचय पाकर आत्मा को शुद्ध करता है । भारतीय धर्म-साधना के परिवेश में वर्ष भर में शायद ही ऐसा कोई दिन हो जिस दिन त्यौंहार न होता हों । यहाँ प्रत्येक दिन पर्व है । ये पर्व, हमारे आचार-व्यवहार, रहन-सहन, खान-पान, वेश-भूषा, लोक विश्वास तथा कर्मकाण्डों के परिचायक हैं। इन लोक पर्वो की कथाओं तथा अनुष्ठानों का उद्देश्य है समाज सुधर ।व्रतों से तात्पर्य मात्र भूखा रहना नहीं है । इनसे आत्मा की शुधि होती है । मन कलुषित भावनाओं से मुक्त होता है । जीवन में संयम बढ़ता है । आध्यात्मिक शक्ति विकसित होती है । अनेक रोग स्वत: नष्ट हो जाते हैं । हमारे लोक जीवन की अन्यतम विभूति-ये लोक -पर्व अब मिटने लगे हैं ।आज के वैज्ञानिक युग में लोगों की आस्था इनसे उठने लगी है, किन्तु इन लोक -पर्वो में शक्ति नहीं है ,ऐसा नहीं खा जा सकता इनका भी वैज्ञानिक महत्व है ।हमारे जीवन के ये प्रमुख अंग हैं।भारतीय संस्कृत को स्पष्ट करने के प्रमुख उपादान हैं ये हमारा पर्व ।इनसे हमारे लोक समाज का बिम्ब स्वष्ट होता हैं ।इसलिए पर्व त्योहारों मे एक दूसरे की मदद और सभी का ख्याल रखना चाहिए लोक आस्था का पर्व छठ पूजन मे पहले से ही ट्रेन मे मारा मारी एजेंट का अवैध तरीके से टिकट का दाम लेना क़ोई 3 महीने पहले से भी ट्रेन का टिकट लिया हो कन्फर्म नहीं होता है क़ोई कोटा से लेता है तत्काल मे टिकट का ना मिलना एक सिस्टम की लापरवाही है छठ पूजन मे जो बिहार और उप्र में लोग बड़ी श्रद्धा से मानते हैं अधिकतर लोग जो महंगा टिकट नहीं ले पाते हैं वो इस शुभ काम में एक दूसरे का हाथ बटाने में असमर्थ हो जाते हैँ जो महानगरो में नौकरी या व्यवसाय करते हैँ क़ोई जर्नी को एक नहीं कई जगह ब्रेक कर किसी तरह थका। महसूस करता है ये उसी से पूछा जाय फ्लाइट का बाहर से घर आने और घर से पुन: बाहर जाने के लिए फ्लाइट का भाड़ा सामान्य से 4 से 6 गुना बढ़ जाता है छठ पूजा उत्तर भारत में इस साल 12 नवंबर से 15 नवंबर तक चला दीपावली 8 को थी उसके दूसरे दिन ही किसी भी फ्लाइट में बिहार यानी पटना और अन्य जगह का किराया करीब 15 से 25 हजार थी और जो 12-15 हजार तक थी वो डायरेक्ट नहीं एक स्टॉप का था जहाँ आने में करीब 6-10 घंटे लगता था नॉन स्टॉप 18 से 20 हजार था उसके बाद 12 तक लागातार भड़ा बढ़ते हुए क्रम में ही था और बाद में और बढ़ता गया जो थोड़ा सस्ता था वो नॉन रिफंड वाला था डायरेक्ट फ्लाइट के टिकट का फायदा यह है कि अगर कैंसिल हुआ तो एक तरफ से ही कैंसिल करने का चार्ज लगता है और करीब वो भी 5000 रूपये के आस पास होता है ट्रेन में ये सिलसिला था कि सारे ट्रेन में टिकट रिग्रेट था अत: ट्रेन में एक कन्फर्म टिकट पर 3-4 लोग जाते थे स्लीपर जनरल डिब्बा जैसा हाल था उसमें आने जाना का रास्ता ही ब्लॉक और पानी नदारत लोग ऊपर निचे जहाँ तहाँ सोये होने पर आना जाना मुश्किल था जनरल बोगी में सांस लेना मुश्किल लगते दिखा अब आजादी के इतने दिनों के बाद भी लोग भेड़ बकरी की तरह ठूंस गए हो तो क्या लोग पर्व त्यौहार में बाहर से आएगा और जाएगा, अगर आप किसी तरह पहुँच भी गए तो लौटने में अलग परेशानी होगी लौटने का पटना या सहरसा से डायरेक्ट फ्लाइट में टिकट 28 से 45 हजार इकॉनमी क्लास का टिकट, ख़ासकर 16 तारीख से लेकर 20 तारीख का ट्रेन में तत्काल का 1वेटलिस्ट भी कन्फर्म ना होना बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है और लोग ऐसे कर स्लीपर में बैठते है और ऐसे ही कार्यस्थल पर पहुंचने के लिए ट्रेन में भारी भीड़ देखने को मिलती है ट्रेन में बंदे भारत का नाम तो खुब सुना है लेकिन टिकट कब मिलता है और कहाँ कहाँ है इसपर ध्यान देने की जरुरत है बुलेट ट्रेन केवल कागजों पर दिख रहा है उसके लिए पटरी ट्रैक को बदलना पड़ता है ये वहाँ कहाँ प्रोजेक्ट चल रहा है जहाँ इसकी सही में जरुरत है जब से लगभग 40 सालों से वही पटरी और वही स्टेशन, केवल नाम बदलने और वहाँ रेनोवेशन से क्या होगा आम आदमी बार बार तो घर नहीं जाता, छठ पूजन और पर्व त्योहारों में ही जाता है तो रेलवे में कहाँ परिवर्तन हुई भगवान राम ने क़ोई लेख या शिकायत लिख कर रावण को नहीं हराया बल्कि जमीनी स्तर पर कार्य किया और एक सेवा भाव वाले टीम का निर्माण किया और रावण के गढ़ लंका से माता सीता को छूड़ाने हेतु कम से कम समय में रामेश्वरम से लंका तक पूल बाँध दिया ये किसी भी देश की सेना के लिए एक आदर्श विचार है और इसी से जीत मिलती है माता सीता को पता करने के लिए अपने परम भक्त हनुमान को लंका भेजा जो एक गुप्तचर का हिस्सा था और रावण का पता लगा बाद में हनुमान जी ने सारी बातें माता सीता को बताया और फिर भगवान राम ने रावण को समझाने हेतु दूत भेजा देखा अब क़ोई चारा नहीं है क्योंकि मूर्खो को समझाना नामुमकिन है इसलिए युद्ध छेड़ दिया और अंत में विजयी हुए यानि किसी भी सफलता हेतु जमीनी हकीकत जानना जरुरी है केवल कागजों और लेखों से नहीं बल्कि जनता को सही में मालूम होना चाहिए रेलवे में पर्व में केवल बैनरो और पोस्टर से नहीं कार्य करना होगा बुनियादी डांचा को दुरुस्त कर खुद जाकर देखना भी चाहिए कि जनता का क्या हाल है इस तरह का माहौल में एयरलायनस इसका फायदा उठाती है और मनमाने ढंग से किराया वसूली करती है जो विदेश का भी उससे कम होता है ऐसे में अकेले जाना ही मुश्किल है तो परिवार का क्या हाल होगा जहाँ तक स्पेशल ट्रेन की बात है क़ोई 8 घंटा विलम्ब क़ोई 24 घंटा और बाद में 48 घंटा हो जाता है और कभी कभी ट्रेन कैंसिल भी हो जाता है बढ़ती आबादी पर आगे के रोडमैप पर ध्यान देना चाहिए आप ही बताइए कौन सी ट्रेन की रफ़्तार बढ़ी और कितना बढ़ी और ट्रेन में बोगी का क्या परिवर्तन हुआ और अब भी अगर नहीं जगे तो आगे और भी विकराल समस्या उत्पन्न होगी मैं तो यही देख रहा हूँ पहले जैसा था वैसा अभी भी है ट्रेन की स्पीड वही आमने सामने वही हल्ट और वही स्टेशन और बाहर वही घर और वही स्थान पटरी तो अधिकांश अंग्रेज के समय बना और बौगी बनी भी तो वैसे ही एक बंदे भारत ट्रेन का नक्शा बदला है लेकिन टिकट कहाँ और कितने समय चलती है बदली है तो फ्लाइट की रफ़्तार पहले एक दो जाते थे अभी कुछ और संख्या में बढ़ गए हैं लेकिन किराया आम आदमी के पहुँच से बहूत बाहर और ऐसे में ही पैसा कमाने की होड़ में भ्रष्टाचार बढ़ते है। अब लोगों का पूजा पाठ में क्या मन लगेगा जब सारा ध्यान ही आने जाने के चक्कर में इधर उधर भटक रहा हो।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)



उपाय भी ठीक हो

उपाय सम्यप् होना चाहिए। उपाय का बड़ा महत्व होता है। जहां समस्या आती है, आदमी उपाय खोजता है। समाधान तब तक नहीं होता, जब तक उपाय नहीं मिल जाए। उपाय स्वयं भी खोजा जा सकता है और उपाय खोजने के लिए गुरू की शरण या उस विषय को जानने वाले व्यक्ति की शरण भी ली जा सकती है।

कोई संन्यासी था। भीड़ बहुत होती। सभी संन्यासी अपरिग्रही नहीं होते। कुछ संन्यासी बहुत परिग्रह भी रखते हैं। यह अपनी-अपनी परम्परा है। बड़ा आश्रम था। बहुत धन और बहुत लोगों की भीड़। वह परेशान हो गया। गुरू के पास जाकर बोला, गुरूदेव! और तो सब ठीक है, पर एक बड़ी समस्या है। भीड़ बहुत हो जाती है, इतने लोग आते हैं कि मैं अपनी साधना पूरी तरह नहीं कर पाता, समय नहीं मिलता। रात-दिन चप्र-सा चलता है। गुरू ने कहा, तुम एक काम करो, गरीब लोग आएं तो उनको कर्ज देना शुरू कर दो और जो धनवान लोग आएं।

तो उनसे मांगना शुरू कर दो। उपाय हाथ में लग गया। उसने प्रयोग करना शुरू कर दिया-जो निर्धन आते, उन्हें कर्ज देना शुरू किया और धनी आते उनसे धन मांगना शुरू किया। पांच-दस दिन में भीड़ बिल्कुल छंट गई। क्योंकि जिन्होंने कर्ज लिया वे वापस किसलिए आते? सामने आना नहीं चाहते थे, क्योंकि वापस तो देना नहीं था- धनियों से मांगना शुरू किया तो उन लोगों ने सोचा कि अब तो जाना ठीक नहीं है। जाते ही पहले यह होगा कि लाओ-लाओ। भीड़ कम हो गई। उपाय ठीक मिलता है तो दोनों बातें हो जाती हैं। हमारे हाथ उपाय लगना चाहिए।

विचार मंथन

चीन- पाकिस्तान गठजोड़: भारत की सुरक्षा के लिए सामने नई चुनौती

(लेखक - सनत जैन)

भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के सामने चीन और पाकिस्तान का बढ़ता सैन्य एवं रणनीतिक गठजोड़ एक गंभीर चुनौती के रूप में उभर रहा है। दोनों देशों के बीच लंबे समय से राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य संबंध रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में इन संबंधों का दायरा जिस तेजी से बढ़ा है, उसने दक्षिण एशिया के सामरिक समीकरणों को प्रभावित किया है। अब यह गठजोड़ केवल भारत-पाकिस्तान सीमा तक सीमित नहीं है। बल्कि हिंद महासागर क्षेत्र और व्यापक अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में भी इसके प्रभाव दिखाई देने लगे हैं। चीन और पाकिस्तान की नजदीकी का सबसे महत्वपूर्ण पहलू सैन्य सहयोग है। पाकिस्तान अपनी रक्षा जरूरतों के लिए चीन पर काफी हद तक निर्भर है। लड़ाकू विमानों, मिसाइल प्रणालियों, नौसैनिक उपकरणों और रक्षा तकनीक के क्षेत्र में चीन की सरकार, भारत पर दबाव बढ़ाने के लिए पाकिस्तान की मदद कर रहा है। इसके अलावा दोनों देशों के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास और रक्षा उत्पादन से जुड़े समझौते भी इस सहयोग को मजबूत कर रहे हैं। इससे पाकिस्तान की सैन्य क्षमताओं में बड़ा बदलाव आया है। भारत के लिए अब अपनी सुरक्षा, व्यापारिक एवं भौगोलिक रणनीति की समीक्षा करना आवश्यक हो गया है। इस गठजोड़ की दूसरी महत्वपूर्ण कड़ी हिंद महासागर है। भारत के लिए हिंद महासागर केवल समुद्री व्यापार का मार्ग नहीं, बल्कि उसकी ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक गतिविधियों और सामरिक हितों का आधार भी है। चीन पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) के माध्यम से अरब सागर में अपनी मौजूदगी बढ़ाने की कोशिश कर रहा है। चीन की समुद्री गतिविधियों और क्षेत्रीय बंदरगाहों में बढ़ते निवेश को भारत के रणनीतिक हितों के संदर्भ में देखा जाना जरूरी है।

इस पूरे घटनाक्रम को केवल सैन्य खतरे के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। चीन भारत की आर्थिक निर्भरता को भी अपनी रणनीति का हिस्सा बना रहा है। इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाइयों, बैटरी और औद्योगिक उत्पादन से जुड़े कई क्षेत्रों में भारत की चीनी आयात पर निर्भरता एक बड़ी चुनौती है। अमेरिकी आयोग की नवंबर 2026 की रिपोर्ट ने भी इस निर्भरता को भारत की आर्थिक और सामरिक कमजोरियों में शामिल किया है। सवाल यह है कि भारत इस बदलते परिदृश्य में अपनी स्थिति कैसे मजबूत करेगा? क्या केवल अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने से चीन और पाकिस्तान की चुनौती का मुकाबला किया जा सकता है? इसका जवाब है, भारत को अपनी स्वतंत्र सामरिक क्षमता विकसित करनी होगी। रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता, आधुनिक तकनीक, साइबर सुरक्षा, खुफिया तंत्र और नौसेना की ताकत बढ़ाना समय की मांग है। जापान, फ्रांस, अमेरिका और अन्य मित्र देशों के साथ सहयोग और रिश्तो को मजबूत करना होगा। भारत को यह भी समझना होगा, अंतर्राष्ट्रीय संबंध स्थायी मित्रता से अधिक राष्ट्रीय हितों पर आधारित होते हैं।

इसलिए किसी एक देश पर अत्यधिक निर्भरता भारत के दीर्घकालिक हितों को बहुत बड़ा नुकसान हो सकता है। चीन के साथ बातचीत के रास्ते खुले रखने के साथ सीमा सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों पर किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। भारत इस मामले में अभी अलग-थलग पड़ गया है।

वास्तविक चुनौती चीन या पाकिस्तान के गठजोड़ से भयभीत होने की नहीं, बल्कि उसके मुकाबले अपनी आर्थिक, तकनीकी, कूटनीतिक और सैन्य शक्ति को मजबूत करने की है। भारत के पास विशाल बाजार, युवा आबादी, मजबूत लोकतांत्रिक संस्थाएं और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती भूमिका की महत्वपूर्ण क्षमताएं हैं। जरूरत इन क्षमताओं को ठोस राष्ट्रीय शक्ति में बदलने की जरूरत है। आखिरकार, भारत की सुरक्षा केवल सीमाओं पर तैनात सैनिकों और हथियारों से सुनिश्चित नहीं होगी। मजबूत अर्थव्यवस्था, आत्मनिर्भर रक्षा उद्योग, समुद्री शक्ति और दूरदर्शी विदेश नीति भी उतनी ही जरूरी हैं। पड़ोसी देशों के साथ अपने रिश्तों को भी भारत को बेहतर बनाना होगा। चीन-पाकिस्तान की बढ़ती नजदीकी भारत के लिए एक रणनीतिक चेतावनी है। इस चेतावनी को गंभीरता से लेते हुये भारत को अपनी विदेश नीति एवं दीर्घकालिक रणनीति को तैयार करना होगा। समय रहते यदि यह बदलाव नहीं किया गया तो आगे आने वाले सालों में भारत को काफी बड़ा नुकसान हर स्तर पर हो सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शैले होटल्स तीन साल में 3,500 करोड़ का निवेश करेंगी- सीईओ

नई दिल्ली।

शैले होटल्स अगले तीन वर्षों में लगभग 3,500 करोड़ रुपये का निवेश करने पर` विचार कर रही है। कंपनी के अधिकारी ने बताया कि दिल्ली हवाईअड्डे पर बनने वाले इसके ताज ब्रांड के होटल में अब अगले वित्त वर्ष (2027-28) की अप्रैल-जून तिमाही में लगभग 200 कमरे खुलने की उम्मीद है, जबकि पहले 70 कमरे खोलने की योजना थी। कंपनी के आगामी पोर्टफोलियो में दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) में 380 कमरों वाला ताज होटल शामिल है। अे धिकारी ने एक साक्षात्कार में बताया कि डीआईएएल हवाईअड्डे पर ताज होटल का काम पूरा होने के करीब है, लेकिन प्रदूषण से जुड़े जीआरएपी प्रतिबंधों के कारण इसमें कुछ देरी हुई। उन्होंने कहा कि कंपनी को उम्मीद है कि हवाईअड्डा स्थित यह होटल उसके समग्र पोर्टफोलियो में अहम योगदान देगा, हालांकि राजस्व पर इसके असर का सटीक आकलन करना अभी जल्दबाजी होगी। उन्होंने कहा` कि हमें अगले तीन वर्षों में 3,500 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की उम्मीद है। शैले होटल्स के पास इस समय लगभग 3,300 कमरे हैं और 2,036 कमरों की घोषित परियोजनाओं पर काम जारी है। कंपनी की अन्य परियोजनाएं योजना के अनुसार आगे बढ़ रही हैं।

दो पैन कार्ड रखने पर व्यापारी को इनकम टैक्स ने भेजा लाखों का नोटिस

क्लर्क की कथित गलती से व्यापारी के नाम पर जारी हो गए थे दो पैन कार्ड

नई दिल्ली ।

गुजरात के एक पटाखा कारोबारी के साथ ऐसा मामला सामने आया है, जहां क्लर्क की कथित गलती से उनके नाम पर दो पैन कार्ड जारी हो गए थे। इस त्रुटि के बाद आयकर विभाग ने उनके एक पैन कार्ड के आधार पर 7.60 लाख रुपए की रकम को छिपी हुई आय मान लिया, जिससे व्यापारी कानूनी दांव-पेच में फंस गए। असेसमेंट ईयर 2020-21 के लिए उन्होंने एक पैन कार्ड से इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल किया था, जिसमें पटाखों के कारोबार से हुई पूरी कमाई की जानकारी और ऑडिट रिपोर्ट शामिल थी। हालांकि, आयकर विभाग ने उनके दूसरे पैन कार्ड नंबर के आधार पर दोबारा जांच शुरू कर दी। असेसिंग ऑफिसर ने 24 मार्च 2025 को कार्रवाई पूरी करते हुए 7.60 लाख रुपए को उनकी आय में जोड़ दिया। कारोबारी का तर्क था कि इस कमाई पर पहले ही दूसरे पैन के तहत दाखिल रिटर्न में टैक्स दिया जा चुका है, इसलिए एक ही रकम पर दोबारा टैक्स लगाना गलत है। व्यापारी ने अपने दावे के समर्थन में बैंक स्टेटमेंट, कारोबार से जुड़े लोगों के खाते की पुष्टि और अन्य दस्तावेज जमा किए। उन्होंने दो पैन कार्ड जारी होने की गलती को लेकर हलफनामा भी दिया। लेकिन पहली अपील के दौरान वह अपना पक्ष और जरूरी सबूत सही तरीके से पेश नहीं कर सके, जिसके चलते अपील अथॉरिटी ने आयकर विभाग के फैसले को बरकरार रखा। इसके बाद कारोबारी ने आयकर अपीलीय न्यायाधिकरण (आईटीएटी) अहमदाबाद का रुख किया। ट्रिब्यूनल ने अपील अथॉरिटी का पिछला आदेश रद्द करते हुए इस मामले को नए सिरे से जांच के लिए असेसिंग ऑफिसर के पास भेज दिया।

पल्सर एनएस125 का अपडेटेड मॉडल जल्द होगा पेश

नई दिल्ली ।

दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी बजाज जल्द ही पल्सर एनएस125 के अपडेटेड मॉडल को पेश कर सकती है। यह अपडेटेड बाइक कई और नए फीचर्स के साथ बाजार में धूम मचाने को तैयार है।

इसे हाल ही में टेस्टिंग के दौरान देखा गया है, जिससे यह पुष्टि हुई है कि इसमें नया टीएफटी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर मिलेगा। जानकारी के अनुसार, नई पल्सर एनएस125 में 5-इंच का टीएफटी डिस्प्ले होगा, जो इसके सेगमेंट में काफी उन्नत माना जा रहा है। यह डिस्प्ले गूगल मैप्स मिररिंग, म्यूजिक कंट्रोल, डॉक्यूमेंट स्टोरेज और लैप टाइमर जैसे फीचर्स को सपोर्ट करेगा। खास बात यह है कि यह एंड्रॉइड फोन की स्क्रीन बंद होने पर भी गूगल मैप्स मिररिंग की सुविधा देगा। इसमें डे-नाइट थीम और ऑटो ब्राइटनेस एडजस्टमेंट भी मिलेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, अगर कंपनी इलेक्ट्रॉनिक थ्रॉटल बॉडी देती है, तो बाइक में राइडिंग मोड्स भी शामिल किए जा सकते हैं। अन्य संभावित फीचर्स में हैजर्ड लाइट स्विच और पैनिक ब्रेक अलर्ट शामिल हो सकते हैं। राइडर की सुविधा के लिए इसमें एडजस्टेबल क्लच और ब्रेक लीवर भी दिए जाने की संभावना है।

हार्डवेयर के मामले में, अपडेटेड पल्सर एनएस125 में ज्यादातर चीजें मौजूदा मॉडल जैसी ही रह सकती हैं, जैसे फ्रंट डिस्क ब्रेक, रियर ड्रम ब्रेक, रियर मोनोशॉक और फ्रंट टेलिस्कोपिक फोर्क्स।

वैश्विक कारकों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

अमेरिकी ब्याज दरों की दिशा और वैश्विक बॉन्ड यील्ड पर भी निवेशकों की नजर रहेगी

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह दिग्गज कंपनियों में लिवाली के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर वैश्विक कारकों पर रहेगी और प्रमुख सूचकांकों में तेजी जारी रहने की उम्मीद है। ` पिछले सप्ताह विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की लिवाली के दम पर बाजार में जबरदस्त तेजी रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,327.26 अंक (2.85 प्रतिशत) चढ़कर 83,919.71 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 656.30 अंक यानी 2.61 प्रतिशत ऊपर 25,800.60 अंक पर बंद हुआ। यह दोनों सूचकांकों का नौ महीने से अधिक का उच्चतम स्तर है। बाजार के जानकारों का कहना है` कि बीते सप्ताह की जबरदस्त तेजी के बाद, आने वाले सप्ताह में भारतीय शेयर बाजार की चाल मुख्य रूप से वैश्विक संकेतों, विदेशी निवेशकों के रुख और कच्चे तेल की कीमतों पर निर्भर करेगी। बाजार ` विशेषज्ञों ने कहा` कि एशियाई और अमेरिकी बाजारों में हाल ही में तकनीकी और एआई शेयरों के मूल्यांकन को लेकर उतार-चढ़ाव देखा गया है।



उनका कहना है` कि इस सप्ताह अमेरिकी ब्याज दरों की दिशा और वैश्विक बॉन्ड यील्ड पर निवेशकों की कड़ी नजर रहेगी। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी भारतीय अर्थव्यवस्था र कॉरपोरेट मार्जिन के लिए सकारात्मक है। हालांकि, पश्चिम एशिया और यूक्रेन से जुड़े भू-राजनीतिक घटनाक्रम बाजार की धारणा को प्रभावित कर सकते हैं। बाजार विश्लेषकों के अनुसार तेजी का रुख अभी बरकरार है।

देशभर में पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई फेरबदल नहीं

दिल्ली में डीजल 95.20 रुपए और पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में भले ही कच्े चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का दौर जारी हो, लेकिन भारत में फिलहाल पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर हैं। सरकारी तेल विपणन कंपनियों द्वारा रविवार को जारी दरों के मुताबिक देशभर में पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई फेरबदल नहीं हुआ है। दिल्े ली में डीजल 95.20 रुपए और पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर बिक रहा है। प्रीमियम श्रेणी में एक्सपी 100 की कीमत 167.35 रुपए, एक्सपी 95 की कीमत 109.24 रुपए और एक्सजी डीजल की कीमत 100.52 रुपए प्रति लीटर है। नोएडा में डीजल का रेट 95.56 रुपए और पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर है। एक्सपी 95 110.68 रुपए और एक्सजी 101.17 रुपए प्रति लीटर` मिल रहा है। हरियाणा के गुरुग्राम में डीजल 95.64 रुपए और पेट्रोल 102.97 रुपए प्रति लीटर है। वहीं यहां एक्सपी 100 167.35 रुपए और एकसपी 95 111.78 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। फरीदाबाद में डीजल 96.01,पेट्रोल 103.35 रुपए और एक्सपी 95 112.16 रुपए लीटर है। लखनऊ में डीजल की कीमत 95.36 रुपये प्रति लीटर और पेट्रोल की कीमत 101.89 रुपये प्रति लीटर है। भोपाल में डीजल 99.64 रुपये प्रति लीटर और पेट्रोल 114.57 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। जयपुर में डीजल 97.78 रुपये प्रति लीटर और पेट्रोल 112.69 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

गोकुल डेयरी ने भैंस का दूध 6 और गाय का 4 रुपए किया महंगा

दूध के भाव बढ़ने से उपभोक्ताओं पर सीधा वित्तीय भार पड़ेगा

मुंबई ।

अब महाराष्ट्र में दूध खरीदने वाले उपभोक्ताओं को अधिक पैसे खर्च करने होंगे, क्योंकि गोकुल डेयरी ने भैंस और गाय के दूध की कीमतों में वृद्धि की घोषणा की है। कोल्हापुर जिला सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ, जिसे गोकुल के नाम से जाना जाता है, ने भैंस के दूध की बिक्री कीमत में 6 रुपए प्रति लीटर और गाय के दूध की कीमत में 4 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। ये नई दरें 21 नवंबर से प्रभावी हो गई हैं और गोकुल के सप्लाई क्षेत्र, यानी महाराष्ट्र के उन इलाकों में लागू होंगी जहां गोकुल दूध की आपूर्ति करता है। इस बढ़ोतरी से उपभोक्ताओं पर सीधा वित्तीय भार पड़ेगा। उदाहरण के लिए, यदि कोई परिवार प्रतिदिन 2 लीटर भैंस का दूध खरीदता है, तो उसे पहले के मुकाबले हर दिन 12 रुपए अधिक खर्च करने होंगे, जिससे मासिक खर्च लगभग 360 रुपए बढ़ जाएगा। वहीं, रोज 2 लीटर गाय का दूध खरीदने वाले परिवार को महीने में करीब 240 रुपए अतिरिक्त देने होंगे। गोकुल ने सिर्फ ग्राहकों के लिए दूध महंगा नहीं किया है, बल्कि दूध उत्पादकों को मिलने वाली खरीद कीमत भी बढ़ाई है। भैंस के दूध पर किसानों को अब 3 रुपए प्रति लीटर और गाय के दूध पर 2 रुपए प्रति लीटर ज्यादा मिलेंगे। डेयरी के चेयरमैन के अनुसार सूखे की स्थिति और किसानों को हो रही परेशानियों को देखते हुए यह फैसला लिया गया है, और बोर्ड के सभी निदेशकों ने इस बढ़ोतरी पर सहमति जताई है। यह नई दरें करीब 131 दिनों यानी मार्च तक लागू रहेंगी।

सोना हुआ सस्ता, मुथूट-मणप्पुरम के शेयर धड़ाम, क्या गोल्ड लोन कंपनियों की बढ़ेगी मुश्किल?

मजबूत अमेरिकी डॉलर और ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका से सोने पर दबाव

मुथूट फाइनेंस और मणप्पुरम फाइनेंस के शेयरों में बिकवाली बढ़ी
सोने के भाव एक साल के निचले स्तर पर पहुंचने से निवेशक सतर्क

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय और घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में आई तेज गिरावट का असर अब गोल्ड लोन कंपनियों के शेयरों पर भी दिखाई देने लगा है। मुथूट फाइनेंस और मणप्पुरम फाइनेंस के शेयरों में बिकवाली बढ़ गई है। सोने के भाव एक साल के निचले स्तर पर पहुंचने और आगे भी गिरावट की आशंका से निवेशक सतर्क हो गए हैं। बाजार को चिंता है कि बुलियन की कीमतों में कमजोरी से गोल्ड लोन कंपनियों की लोन देने की क्षमता, वसूली और मुनाफे पर दबाव बढ़ सकता है। बीते सप्ताह शुक्रवार के कारोबार में मणप्पुरम फाइनेंस का शेयर करीब 5 फीसदी गिरकर 270 रुपये पर आ गया। यह अप्रैल के बाद इसका सबसे निचला स्तर बताया गया। वहीं मुथूट फाइनेंस का शेयर भी करीब 3 फीसदी टूटकर इंट्राडे में 2,480 रुपये तक फिसल गया। पिछले कुछ कारोबारी सत्रों से इन शेयरों में लगातार बिकवाली देखी जा रही है। दरअसल, गोल्ड लोन कंपनियों का कारोबार सोने की कीमतों से सीधे तौर पर जुड़ा होता है। ये कंपनियां ग्राहकों के सोने के आभूषण गिरवी रखकर कर्ज देती हैं। ऐसे में सोने का बाजार मूल्य घटने से गिरवी रखे सोने की कीमत कम हो जाती है। इससे लोन-टू-वैल्यू अनुपात पर दबाव



बढ़ सकता है। यदि सोने की कीमतों में और गिरावट आती है तो कंपनियों को गिरवी रखे सोने के मुकाबले बकाया कर्ज की सुरक्षा बनाए रखने में अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ सकती है। इसके अलावा कर्ज चुकाने में ग्राहकों की ओर से चूक होने पर सोने की नीलामी के जरिए रकम वसूलना भी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। हालांकि, इसका वास्तविक असर कंपनियों के एनपीए, वसूली और नीलामी के आंकड़ों पर निर्भर करेगा। सोने की कीमतों में गिरावट के पीछे मजबूत अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में बढ़ोतरी की आशंका को प्रमुख कारण माना जा रहा है।

घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

दिल्ली में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 942, मुंबई में 941.50 रुपए

शादी सीजन में सस्ता हुआ गैस सिलेंडर या बढ़ गए दाम? दिल्ली से पटना तक चेक करें नए रेट

नई दिल्ली ।

आज 22 नवंबर 2026 को गैस सिलेंडर की कीमतों पर आम लोगों की नजर बनी हुई है, खासकर शादी के सीजन में जब रसोई गैस की खपत बढ़ जाती है। रसोई गैस के दाम बढ़ने या घटने का सीधा असर घर के बजट पर पड़ता है। यदि आप आज एलपीजी सिलेंडर बुक करने की सोच रहे हैं, तो अपने शहर के नए रेट जानना महत्वपूर्ण है। राहत की बात यह है कि फिलहाल 14.2 किलो वाले घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है और यह पुराने रेट पर ही मिलेगा। दिल्ली में घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 942 रुपए है, जबकि मुंबई में इसके लिए 941.50 रुपए चुकाने होंगे। कोलकाता में यह 968 रुपए और चेन्नई में 957.50 रुपए का मिल रहा है। पटना में इसकी कीमत 1,031.50 रुपए है, और लखनऊ तथा वाराणसी में 979.50 रुपए है। हालांकि, 19 किलो वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

ये सिलेंडर होटल, रेस्टोरेंट और अन्य व्यावसायिक कामों में इस्तेमाल होते हैं। दिल्ली में



कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 2,820 रुपए हो गई है, मुंबई में इसका रेट 2,775 रुपए और कोलकाता में 2,971 रुपए है। पटना में यह 3,110.50 रुपए और बेंगलुरु में 2,774 रुपए का मिल रहा है।

कमर्शियल सिलेंडर महंगा होने से होटल और रेस्टोरेंट के खर्च पर भी असर पड़ सकता है, जिसका बोझ अंततः उपभोक्ताओं पर भी आ सकता है। तेल कंपनियां आमतौर पर हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी सिलेंडर की कीमतों की समीक्षा करती हैं और नए रेट जारी करती हैं। इन कीमतों पर अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलपीजी की कीमत, डॉलर के मुकाबले रुपए की स्थिति और दूसरे खर्चों का असर पड़ता है।

रिलायंस ब्रांड्स का राजस्व बढ़कर 3,390.9 करोड़, घाटा कम हुआ

नई दिल्ली ।

रिलायंस ब्रांड्स का वित्त वर्ष 2025-26 में राजस्व 3.77 प्रतिशत बढ़कर 3,390.89 करोड़ रुपये हो गया है और कंपनी का घाटा कम होकर 137.04 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी पंजीयक (आरओसी) के पास दाखिल दस्तावेजों से यह जानकारी मिली है। देश की प्रमुख खुदरा कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) की अनुषंगी कंपनी रिलायंस ब्रांड्स लिमिटेड (आरबीएल) रणनीतिक साझेदारी, ब्रांड स्वामित्व और खुदरा परिचालन के जरिये भारतीय बाजार में वैश्विक फैशन और जीवनशैली ब्रांडों का कारोबार करती है।

एक कारोबारी सूचना मंच से मिले वित्तीय आंकड़ों के अनुसार आरबीएल ने वित्त वर्ष 2024-25 में परिचालन से 3,267.66 करोड़ रुपये का राजस्व और 237.12 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया था। आरबीएल ने कहा` कि विवेकाधीन उपभोग क्षेत्र में काम करते हुए कंपनी भारत में एक संपन्न ग्राहक वर्ग की जरूरतों को पूरा करती है, जिसमें अनुमानित 1.2 से 1.5 करोड़ उपभोक्ता शामिल हैं। कंपनी ने खुद को प्रमुख वैश्विक ब्रांडों के लिए पसंदीदा साझेदार के रूप में स्थापित किया है।

बजट से पहले एल्युमीनियम उद्योगों की कच्ची धातु के शुल्क-मुक्त आयात की मांग

विनिर्माताओं के संगठन एएलईएमएआई ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लिखा पत्र

नई दिल्ली ।

वित्त वर्ष 2027-28 के आम बजट से पहले एल्युमीनियम उत्पाद विनिर्माताओं ने घरेलू खपत को बढ़ावा देने और छोटे उद्यमों की प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ाने के लिए सरकार से कच्ची धातु के शुल्क-मुक्त आयात की अनुमति देने का आग्रह किया है। विनिर्माताओं के संगठन एएलईएमएआई ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखकर प्राथमिक एल्युमीनियम पर मूल सीमा शुल्क को घटाकर शून्य करने की मांग की है। संगठन का तर्क है कि मौजूदा 7.5 प्रतिशत शुल्क, जो सामाजिक कल्याण अधिभार सहित प्रभावी रूप से 8.25 प्रतिशत हो जाता है, घरेलू मूल्य संवर्धन को नुकसान पहुंचा रहा है। एल्युमीनियम एक्सटूजन मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एएलईएमएआई) ने पत्र में कहा ` कि हम सरकार से आगामी आम बजट में शुल्क शीर्षक 7601 के तहत प्राथमिक एल्युमीनियम पर मूल सीमा शुल्क को 7.5 प्रतिशत से घटाकर शून्य प्रतिशत करने का अनुरोध करते हैं। संगठन ने कहा कि इस कदम से देश के विनिर्माण तंत्र की प्रतिस्पर्धी क्षमता को मजबूत करने, घरेलू मूल्य संवर्धन को बढ़ावा देने, एमएसएमई को सहारा देने, निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करने और पूरी अर्थव्यवस्था में एल्युमीनियम की खपत बढ़ाने में मदद मिल सकती है। पत्र में कहा गया कि भारत ने वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी प्राथमिक एल्युमीनियम उद्योग स्थापित किया है और इसमें घरेलू एल्युमीनियम खपत बढ़ाने की काफी संभावनाएं हैं।

देश के बढ़ते घरेलू यात्रा बाजार का लाभ उठाने एयरबीएनबी भारत में बढ़ाएगी मौजूदगी

नई दिल्ली ।

देश के बढ़ते घरेलू यात्रा बाजार का लाभ उठाने के लिए वैश्विक आतिथ्य मंच एयरबीएनबी पारंपरिक पर्यटन स्थलों से आगे बढ़कर भारत में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करने पर` विचार कर रही है। इसके तहत कंपनी होमस्टे खंड को मजबूत करने और अधिक स्थानीय उद्यमियों को अपने मंच से जोड़ने पर ज्यादा ध्यान दे रही है। एयरबीएनबी इंडिया के एक अे धिवकारी ने एक साक्षात्कार में कहा कि कंपनी की भारत में वृद्धि रणनीति गुणवत्तापूर्ण आवास बढ़ाने, अधिक समुदायों को पर्यटन में भागीदार बनाने और ठहरने की सुविधा से आगे बढ़कर अनुभवों तथा सेवाओं के जरिये अपनी पेशकश में विविधता लाने पर केंद्रित होगी।

उन्होंने कहा` कि हम पारंपरिक अवकाश बाजारों तथा महानगरों के साथ-साथ आध्यात्मिक गलियारों और प्रकृति से जुड़े स्थानों जैसे उभरते गंतव्यों में भी गुणवत्तापूर्ण आपूर्ति का विस्तार जारी रखेंगे। हम चाहते हैं कि यात्रियों के पास अधिक विकल्प हों और स्थानीय समुदायों को पर्यटन से लाभ मिले।

उन्होंने बताया कि भारत वैश्विक स्तर पर एयरबीएनबी के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में से एक है, जिसमें घरेलू यात्रा वृद्धि का एक बड़ा आधार बनकर उभरी है।

वर्ष 2026 की पहली छमाही में भारतीय मेहमानों द्वारा की गई 85 प्रतिशत से अधिक बुकिंग घरेलू थीं, जबकि इस दौरान पहली बार बुकिंग करने वाले लगभग 70 प्रतिशत लोग जेन जी (युवा पीढ़ी) से थे। उन्होंने कहा` कि हमारी मौजूदगी पूरे भारत में है और यात्रा का नक्शा लगातार बड़ा हो रहा है, क्योंकि यात्री प्रकृति, संस्कृति, विरासत और स्थानीय अनुभवों के लिए पारंपरिक पर्यटन केंद्रों से आगे बढ़कर विकल्प देख रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के पर्वतीय स्थलों के साथ ही कांगड़ा, पूर्वी खासी हिल्स और श्रीनगर जैसे स्थान लोगों का ध्यान खींच रहे हैं, जबकि वाराणसी और अमृतसर प्रमुख सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पर्यटन स्थलों के रूप में उभर रहे हैं।

भारत का तेल एवं गैस आयात बिल अक्टूबर में 60 प्रतिशत बढ़ा

अक्टूबर 2025 में आयात बिल 10 अरब डॉलर था



नई दिल्ली ।

पेट्रोलियम मंत्रालय के तहत आने वाले पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के आंकड़ों से` मिली जानकारी के मुतो बिक भारत का तेल एवं गैस आयात बिल अक्टूबर में 60 प्रतिशत बढ़कर 16 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। ब्रेंट कच्चे तेल की औसत कीमत सालाना आधार पर लगभग दोगुनी होकर 124.77 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचने के चलते आयात बिल बढ़ा।

अक्टूबर 2025 में शुद्ध आयात बिल 10 अरब डॉलर था। हालांकि, मात्रा के हिसाब से कच्चे तेल का आयात केवल 11 प्रतिशत बढ़कर 2.33 करोड़ टन रहा। तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के आयात पर 1.3 अरब डॉलर खर्च हुए, जबकि पेट्रोलियम उत्पादों के निर्यात से 6.3 अरब डॉलर की कमाई हुई।ब्रेंट कच्चे तेल की औसत कीमत सितंबर में 116.77 डॉलर और अक्टूबर 2025 में 64.75 डॉलर प्रति बैरल थी।

अक्टूबर में भारतीय बास्केट के कच्चे तेल की औसत कीमत 119.91 डॉलर प्रति बैरल रही, जो एक साल पहले 65.08 डॉलर थी।

अप्रैल-अक्टूबर के दौरान शुद्ध आयात बिल बढ़कर 97.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 70.3 अरब डॉलर था। इस दौरान मात्रा के हिसाब से कच्चे तेल का आयात 2.7 प्रतिशत बढ़ा, लेकिन इस पर 111 अरब डॉलर खर्च हुए, जबकि एक साल पहले यह खर्च 72.3 अरब डॉलर था।

महिंद्रा एलएमएम की आईपीओ लाने की तैयारी-चेयरमैन

नई दिल्ली ।

महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी लिमिटेड वृद्धि के अपने अगले चरण के वित्तपोषण के लिए करीब 18 महीने में शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने की तैयारी कर रही है। इसके तहत कंपनी नए उत्पाद खंडों में विस्तार और उत्पादन क्षमता बढ़ाने की योजना बना रही है, साथ ही वह विदेशी बाजारों में संभावित अवसरों की भी तलाश कर रही है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी का मूल्यांकन पहले ही करीब एक अरब अमेरिकी डॉलर है। इसमें दो निवेशक जुड़े हुए हैं और तीसरे निवेशक के जल्द ही शामिल होने की उम्मीद है। उन्होंने साफ किया कि 18 महीने की समयसीमा एक मोटा अनुमान है और कंपनी ने अभी सूचीबद्धता की कोई तारीख तय नहीं की है। उन्होंने कहा` कि इससे मिलने वाली राशि का इस्तेमाल निश्चित रूप से आंशिक तौर पर मूल्य सृजन के लिए किया जाएगा, लेकिन मुख्य रूप से इसका उपयोग नए खंडों तथा नए उत्पादों में वृद्धि को गति देने और क्षमता विस्तार के लिए होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अद्भुत है भगवान जगन्नाथ मंदिर की महिमा



पुरी का भगवान जगन्नाथ मंदिर अपनी भव्यता और आस्था के लिए विश्व प्रसिद्ध है, लेकिन इससे जुड़े कई रहस्य और परंपराएं भी हैं, जो आपको हैरान कर देंगी। इन्हीं में से एक है इस मंदिर का झंडा जो हवा की दिशा के विपरीत लहराता है। आम तौर पर झंडा हवा के साथ उड़ता है, लेकिन यहां ऐसा नहीं होता। यही बात इस मंदिर को रहस्यमयी और अद्भुत बनाती है.

आज तक कोई पता नहीं लगा पाया है कि मंदिर का झंडा हवा के विपरीत दिशा में क्यों लहराता है। स्थानीय लोग इसे भगवान जगन्नाथ की दैवीय शक्ति का संकेत मानते हैं। कहा जाता है कि मंदिर के ऊपर लहराता झंडा नकारात्मक ऊर्जाओं को खत्म करता है और पूरे वातावरण में सकारात्मकता फैलाता है। इस झंडे को हर दिन बदला जाता है, लेकिन यह काम कोई साधारण नहीं है, बल्कि भगवान के प्रति भक्ति और विश्वास का प्रतीक माना जाता है। हर शाम लगभग सूर्यास्त के समय पुराना झंडा उतारकर नया त्रिकोणीय झंडा लगाया जाता है.

ऐसा भी मान्यता है कि अगर किसी दिन झंडा नहीं बदला गया, तो मंदिर 18 सालों तक बंद हो सकता है। इसलिए चाहे बारिश हो या तूफान, यह परंपरा एक दिन के लिए भी नहीं रुकती। झंडा बदलने का यह कार्य एक विशेष परिवार, जिसे चुनरा सेवक या चोला परिवार कहा जाता है, के हाथों से ही होता है। इस परिवार के लोग लगभग पिछले 800 सालों से यह पवित्र जिम्मेदारी निभा रहे हैं.

सबसे हैरानी की बात यह है कि वे बिना किसी सुरक्षा उपकरण के 214 फुट ऊंचे मंदिर के शिखर पर चढ़ते हैं और वहां झंडा बदलते हैं। कहा जाता है कि आज तक इस परिवार के किसी भी सदस्य को इस काम के दौरान कोई चोट नहीं लगी। यह झंडा केवल एक कपड़ा नहीं, बल्कि आस्था, विश्वास और सुरक्षा का प्रतीक है।

मनी प्लांट में डालें ये 2 खास चीजें, घर में बरसेगी धन की वर्षा

मनी प्लांट को केवल सजावट का पौधा नहीं, बल्कि सौभाग्य और बरकत का प्रतीक माना जाता है। ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में यह मान्यता है कि इस पौधे की सही देखभाल और इसके साथ किए गए कुछ विशेष उपाय आपके रुके हुए धन को वापस ला सकते हैं। रसोई में रखी दो ऐसी सामान्य चीजें हैं, जिन्हें मनी प्लांट की मिट्टी में मिलाने से न केवल पौधे की ग्रोथ तेजी से होती है, बल्कि यह आपके घर में सकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित कर बरकत लाने का काम भी करता है। तो आइए जानते हैं, इन दो शक्तिशाली उपायों के बारे में जो आपके भाग्य को बदल सकते हैं।



दूध

कुछ ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, मनी प्लांट की मिट्टी में दूध मिलाना बहुत शुभ होता है। माना जाता है कि यह उपाय करने से मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और घर में आर्थिक समृद्धि आती है। यह कर्ज से मुक्ति दिलाने में भी सहायक हो सकता है। दूध में कैल्शियम, प्रोटीन और अन्य पोषक तत्व होते हैं, जो पौधे को स्वस्थ और हरा-भरा बनाए रखने में मदद कर सकते हैं, हालांकि इसे बहुत सीमित मात्रा में और पतला करके ही इस्तेमाल करना चाहिए।

चीनी

मनी प्लांट की मिट्टी में चीनी डालने को भी धन और सौभाग्य से जोड़ा जाता है। माना जाता है कि ऐसा करने से धन की देवी लक्ष्मी का आशीर्वाद मिलता है और वित्तीय नुकसान दूर होते हैं। कुछ लोग इसे राहु दोष से मुक्ति पाने के लिए भी उपयोगी मानते हैं। चीनी पौधे के लिए एक तरह से कार्बोहाइड्रेट का स्रोत बन सकती है, जो मिट्टी में सूक्ष्मजीवों की गतिविधि को बढ़ावा दे सकती है।

मनी प्लांट पर लाल धागा बांधें

घर में स्थायी सुख और समृद्धि बनाए रखने के लिए मनी प्लांट की डालियों पर लाल धागा बांधना चाहिए। इससे पौधे की सकारात्मक ऊर्जा और बढ़ जाती है और घर में धन का स्थिर प्रवाह बना रहता है।



वास्तु शास्त्र के अनुसार, सूर्य यंत्र (जिसे सूर्य के देवता का प्रतीक माना जाता है) घर में लगाने के लिए विशेष दिशा और स्थान का चुनाव बहुत महत्वपूर्ण होता है, ताकि इसके प्रभाव से सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो और घर के सदस्य स्वस्थ, खुशहाल और समृद्ध रहें। सूर्य यंत्र को पूर्व दिशा (या उत्तर-पूर्व दिशा) में स्थापित करना सबसे अच्छा होता है। यह दिशा सूर्य के ऊर्जा के अनुरूप होती है और इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

वास्तु के अनुसार घर में लगाएं सूर्य यंत्र

सूर्य यंत्र को किस दिशा में लगाना चाहिए:

पूर्व दिशा:

सूर्य यंत्र को घर में पूर्व दिशा में लगाना सबसे उत्तम माना जाता है। सूर्योदय की दिशा पूर्व होती है और सूर्य यंत्र को इस दिशा में लगाने से घर में उजाला, सकारात्मक ऊर्जा और स्वास्थ्य संबंधी लाभ होते हैं। यदि सूर्य यंत्र को पूर्व दीवार पर स्थापित किया जाए तो इसका प्रभाव अधिक लाभकारी होता है। इससे घर में शांति, समृद्धि और उन्नति का वातावरण बनता है।

उत्तर-पूर्व दिशा:

उत्तर-पूर्व को ईशान कोण भी कहा जाता है, जो घर में ऊर्जा का प्रमुख केंद्र होता है। सूर्य यंत्र को इस दिशा में लगाने से घर में सकारात्मकता बढ़ती है और जीवन में खुशियां आती हैं। यह दिशा धार्मिक और आध्यात्मिक उन्नति के लिए भी अनुकूल मानी जाती है।

दक्षिण दिशा से बचें:

सूर्य यंत्र को दक्षिण दिशा में लगाने से बचना चाहिए। दक्षिण दिशा में सूर्य का प्रभाव अत्यधिक हो सकता है और यह घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार कर सकता है, जिससे परिवार में संघर्ष और तनाव बढ़ सकता है।

पश्चिम दिशा:

पश्चिम दिशा में सूर्य यंत्र लगाना भी ठीक नहीं माना जाता क्योंकि यह दिशा सूर्य के प्रभाव का उल्टा असर कर सकती है, जिससे घर में समस्या और उलझनें बढ़ सकती हैं।

सूर्य यंत्र की स्थापना के दौरान कुछ खास बातें:

सूर्य यंत्र को स्वच्छ स्थान पर रखें : यंत्र को किसी स्वच्छ और धूल-मिट्टी से मुक्त स्थान पर लगाना चाहिए, ताकि यह पूर्ण रूप से अपनी ऊर्जा दे सके।

सूर्य यंत्र का नियमित पूजन करें : सूर्य यंत्र को स्थापित करने के बाद नियमित रूप से पूजा करें। इससे सूर्य की कृपा घर पर बनी रहती है।

सूर्य यंत्र के पास दीपक रखें : सूर्य यंत्र के पास घी का दीपक रखना अच्छा होता है क्योंकि यह सूर्य के प्रभाव को और अधिक मजबूत करता है और घर में शांति और समृद्धि लाता है।

सूर्य यंत्र का आकार और रूप : यंत्र का आकार और रूप सही होना चाहिए। उचित और प्रमाणिक सूर्य यंत्र का प्रयोग ही असरदार होता है।



वास्तु दोष से मुक्त सुन्दर व अच्छा घर बनाना या उसमें रहना हर व्यक्ति की इच्छा होती है पर थोड़ा सा भी वास्तु दोष आपको काफी कष्ट दे सकता है लेकिन वास्तु दोष निवारण के महंगे उपायों को अपनाने से पहले विघ्नहर्ता गजानन के आगे मस्तक जरूर टेक लें क्योंकि आपके कई वास्तु दोषों का ईलाज गणपति पूजा से ही हो जाता है।

वास्तुदोष दूर करने करें गणपति पूजा

वास्तु पुरुष की प्रार्थना पर ब्रह्मजी ने वास्तुशास्त्र के नियमों की रचना की थी। यह मानव कल्याण के लिए बनाया गया था, इसलिए इनकी अनदेखी करने पर घर के सदस्यों को शारीरिक, मानसिक, आर्थिक हानि भी उठानी पड़ती है।

अत: वास्तु देवता की संतुष्टि के लिए भगवान गणेश जी को पूजना बेहतर लाभ देगा। इनकी आराधना के बिना वास्तुदेवता को संतुष्ट नहीं किया जा सकता। बिना तोड़-फोड़ अगर वास्तु दोष को दूर करना चाहते हैं तो इन्हें आजमाएं।

गणपति जी का वंदन कर वास्तुदोषों को शांत किए जाने में किसी प्रकार का संदेह नहीं होता है। मान्यता यह है कि नियमित गणेश जी की आराधना से वास्तु दोष उत्पन्न होने की संभावना बहुत कम होती है। इससे घर में खुशहाली आती है और तरक्की होती है।

मुख्य द्वार पर लगाये प्रतिमा

यदि घर के मुख्य द्वार पर एकदंत की प्रतिमा या चित्र लगाया गया हो तो उसके दूसरी तरफ ठीक उसी जगह पर गणेश जी की प्रतिमा इस प्रकार लगाए कि दोनों गणेशजी की पीठ मिली रहे। इस प्रकार से दूसरी प्रतिमा या चित्र लगाने से वास्तु दोषों का शमन होता है। भवन के जिस भाग में वास्तु दोष हो उस स्थान पर घी मिश्रित सिंदूर से स्वास्तिक दीवार पर बनाने से वास्तु दोष का प्रभाव कम होता है।

घर या कार्यस्थल के किसी भी भाग में वक्रतुण्ड की प्रतिमा अथवा चित्र लगाए जा सकते हैं। किंतु प्रतिमा लगाते समय यह ध्यान अवश्य रखना चाहिए कि किसी भी स्थिति में इनका मुंह दक्षिण दिशा या नैर्ऋत्य कोण में नहीं हो। इसका विपरीत प्रभाव होता है।

घर में बैठे हुए गणेश जी तथा कार्यस्थल पर खड़े गणपति जी का चित्र लगाना चाहिए, किंतु यह ध्यान रखें कि खड़े गणेश जी के दोनों पैर जमीन का स्पर्श करते हुए हों। इससे कार्य में स्थिरता आने की संभावना रहती है।

भवन के ब्रह्म स्थान अर्थात् केंद्र में, ईशान कोण एवं पूर्व दिशा में सुखकर्ता की मूर्ति अथवा चित्र लगाना शुभ रहता है। किंतु टॉयलेट अथवा ऐसे स्थान पर गणेशजी का चित्र नहीं लगाना चाहिए जहां लोगों को थूकने आदि से रोकना हो। यह गणेशजी के चित्र का अपमान होगा। सुख, शांति, समृद्धि की चाह रखने वालों के लिए घर में सफेद रंग के विनायक की मूर्ति, चित्र लगाना चाहिए।

सिंदूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल नहीं

सर्व मंगल की कामना करने वालों के लिए सिंदूरी रंग के गणपति की आराधना अनुकूल रहती है। इससे शीघ्र फल की प्राप्ति होती है। विघ्नहर्ता की मूर्ति अथवा चित्र में उनके बाएं हाथ की ओर सूंड घुमी हुई हो इस बात का ध्यान रखना चाहिए। दाएं हाथ की ओर घुमी हुई सूंड वाले गणेश जी हठी होते हैं तथा उनकी साधना-आराधना कठिन होती है। शास्त्रों में कहा गाया है कि दाएं सूंड वाले गणपति देर से भक्तों पर प्रसन्न होते हैं।मंगल मूर्ति भगवान को मोदक एवं उनका वाहन मूषक अतिप्रिय है। अत: घर में चित्र लगाते समय ध्यान रखें कि चित्र में मोदक या लड्डू और चूहा अवश्य होना चाहिए। इससे घर में बरकत होती है। इस तरह आप भी बिना तोड़-फोड़ के गणपति पूजन के द्वारा से घर के वास्तुदोष को दूर कर सकते हैं।

पूजा के दौरान धूपबत्ती जलाना शुभ



सनातन धर्म और वास्तु शास्त्र में पूजा के दौरान धूपबत्ती जलाना शुभ माना जाता है जबकि अगरबत्ती नहीं। अगरबत्ती में बांस जलता है जो अशुभ है और स्वास्थ्य को हानि पहुंचाता है। धूपबत्ती ग्रह शांति और सकारात्मक ऊर्जा देती है। आइए जानें हर नियम ताकि पूजा का पूरा फल मिले।

हिंदू शास्त्रों में अगरबत्ती का कोई उल्लेख नहीं है और इसमें बांस जलता है, जो अंतिम संस्कार से जुड़ा है। बांस जलाने से पितृ दोष, वंश वृद्धि में रुकावट और दुर्भाग्य आता है। वैज्ञानिक रूप से बांस का धुआं सांस की बीमारी पैदा करता है। ऐसे में पूजा में अगरबत्ती ना जलाएं।

ज्योतिष में बांस जलाने से पितृ दोष उत्पन्न होता है और पूर्वजों की आत्मा अशांत रहती है। शव यात्रा व कपाल क्रिया में बांस का उपयोग होता है, इसलिए पूजा में इसे जलाना वर्जित है। इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और संतान सुख प्रभावित होता है।

धूपबत्ती चंदन, लकड़ी छाल और जड़ी-बूटियों से बनती है, जो ग्रहों को शांत करती है। रोज धूप जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा, वास्तु दोष दूर होता है और देव कृपा मिलती है। धूप की सुगंध मन शांत करती है और पूजा का फल कई गुना बढ़ जाता है।

धूपबत्ती में उपयोगी सामग्री अलग-अलग ग्रहों से जुड़ी होती है। चंदन शुक्र ग्रह को, गूगल राहु ग्रह को और लोबान सूर्य को शांत करता है। धूप जलाने से कुंडली के दोष कम होते हैं और जीवन में स्थिरता आती है। शाम को धूप जरूर जलाएं।

धूपबत्ती का धुआं कीटाणुनाशक है और घर की हवा शुद्ध करता है, जबकि अगरबत्ती का धुआं हानिकारक है।



Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

चीन को पुराने चिप्स की बिक्री पर नहीं लगेंगे नए प्रतिबंध, अमेरिकी वित्त मंत्री दे दिया बड़ा बयान

बीजिंग, एजेंसी। वैश्विक सेमीकंडक्टर बाजार और अमेरिका-चीन तकनीकी टकराव के बीच अमेरिकी सरकार ने एक बड़ा नीतिगत फैसला लिया है। अमेरिकी वित्त मंत्री (ट्रेजरी सेक्रेटरी) स्कॉट बेसेंट ने साफ किया है कि चीन को एनवीडिया के पुराने चिप्स बेचने पर अब और नए प्रतिबंध लगाने की जरूरत नहीं है। यह बयान ट्रंप प्रशासन की की ओर से चीन की नवीनतम सेमीकंडक्टर्स तक रिमोट एक्सेस (पहुंच) को रोकने के फैसले के ठीक बाद आया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ एशिया दौरे से लौटने के बाद शुक्रवार को सीएनबीसी (सीएनबीसी) को दिए एक साक्षात्कार में स्कॉट बेसेंट ने कहा कि चिप निर्यात को लेकर जरूरी और उचित पाबंदियां पहले से लागू हैं। बेसेंट के मुताबिक, चीनी कंपनियों की अत्याधुनिक चिप्स तक रिमोट पहुंच को प्रभावी ढंग से सीमित कर दिया गया है। उन्होंने रेखांकित किया कि मौजूदा नियमों के तहत पुराने सेमीकंडक्टर्स पर अतिरिक्त रोक लगाने की दरकार नहीं है। एनवीडिया की तकनीक तक चीनी कंपनियों की पहुंच उस समय गंभीर जांच के दायरे में आ गई, जब कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेन्सन हुआंग ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। हुआंग पर सिंगापुर की कंपनी मेगास्पीड की एक कार्यकारी के साथ कथित संबंधों के आरोप लगे थे।

पेरू में 6.9 तीव्रता का आया भूकंप, राजधानी लीमा तक लगे झटके, प्रशांत रिंग ऑफ फायर क्षेत्र में कांपी धरती

लीमा, एजेंसी। मध्य पेरू के एंडीज क्षेत्र में शुक्रवार को 6.9 तीव्रता का भूकंप आया। तत्काल किसी नुकसान या हताहत की कोई खबर नहीं है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप स्थानीय समय के अनुसार शाम 7:09 बजे आया। इसका केंद्र जुनिन से 34 किलोमीटर उत्तर में एंडीज में था। भूकंप की गहराई 108 किलोमीटर दर्ज की गई। पेरू के भूभौतिकीय संस्थान ने भी किसी नुकसान या हताहत की सूचना नहीं दी। पेरू के जियोफिजिकल इंस्टीट्यूट ने बताया कि किसी तरह के नुकसान या लोगों के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है। भूकंप के केंद्र के पास स्थित कारहुआमायो के मेयर, अब्देल वेगा ने भी एक स्थानीय टेलीविजन स्टेशन को बताया कि किसी के घायल होने या संपत्ति के नुकसान की कोई खबर नहीं है। पेरू की राजधानी में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे लोग सड़कों पर निकल आए। पेरू रिंग ऑफ फायर पर स्थित है, जहां दुनिया के अधिकांश भूकंप आते हैं। अगस्त में पेरू के एंडीज में 6.7 तीव्रता के भूकंप से दो लोग घायल हुए थे। जुलाई में जुनिन क्षेत्र में 5.5 तीव्रता के भूकंप से छह लोगों की मौत और 30 लोग घायल हुए थे।

परमाणु हथियारों की होड़: ट्रंप बोले- चीन तेजी से बढ़ा रहा अपना जखीरा, शी-पुतिन से मुलाकात के बाद जताई चिंता

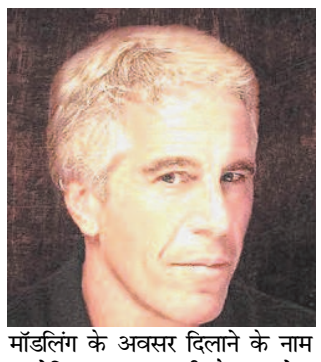
वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि चीन तेजी से परमाणु हथियार बना रहा है। उन्होंने इसे तेज और भारी विस्तार बताया है। यह टिप्पणी उन्होंने चीनी नेता शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात के एक दिन बाद की। तीनों देशों ने परमाणु अप्रसार रोकने पर बातचीत के लिए सहमति जताई है। यह बैठक गुरुवार को दक्षिणी चीनी शहर शेन्जन में हुई थी। रूस और अमेरिका के पास हजारों परमाणु हथियार हैं। वे दुनिया में इस मामले में सबसे आगे हैं। वहीं चीन अपने परमाणु जखीरे का तेजी से विस्तार कर रहा है। पेंटागन ने चीन के सैन्य विस्तार की अपनी वार्षिक रिपोर्ट जारी की है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन के परमाणु हथियारों का भंडार 2024 तक 600 से कम रहा। हालांकि, देश 2030 तक 1,000 से अधिक परमाणु हथियार रखने की राह पर है। ट्रंप ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में एक समाचार सम्मेलन में यह बात कही। उन्होंने चीन के परमाणु विस्तार पर टिप्पणी करते हुए कहा, वे 10 साल के भीतर हमें पकड़ लेंगे। उन्होंने आगे कहा कि चीन इस पर तेज और भारी गति से काम कर रहा है। ट्रंप की ये सार्वजनिक टिप्पणियां उनकी विवादित शिखर बैठक के बाद पहली थीं। इस बैठक में अमेरिका के लंबे समय से प्रतिद्वंद्वी माने जाने वाले देशों के नेता शामिल थे। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शुक्रवार को ट्रंप के साथ पत्रकारों से बात की। रुबियो ने जोर दिया, इन तीनों देशों के पास इस ग्रह पर परमाणु हथियारों का भारी बहुमत है। उन्होंने कहा कि इन तीनों नेताओं का नियमित रूप से बातचीत न करना सिर्फ बेतुका नहीं, बल्कि खतरनाक है।

एपस्टीन को क्यों पसंद थीं रूसी महिलाएं: पुतिन से मिलने का सपना, सत्ता के गलियारों तक पहुंचने का भी था इरादा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी फाइनेंसर जेफरी एपस्टीन की कहानी सिर्फ यौन शोषण और मानव तस्करी तक सीमित नहीं थी। वह दुनिया के अमीर और प्रभावशाली लोगों के बीच अपनी पहचान बनाना चाहता था। रूस के साथ उसका रिश्ता भी इसी कोशिश का हिस्सा था। शुरुआत रूसी मॉडल्स और युवा महिलाओं से हुई, लेकिन धीरे-धीरे उसकी दिलचस्पी वहां के अरबपतियों, कारोबारियों और सरकारी अधिकारियों तक पहुंच बनाने में बढ़ती गई। यहां तक कि वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की कोशिश भी करता रहा।

रॉयटर्स की पड़ताल के मुताबिक, रूस के प्रति एपस्टीन की दिलचस्पी के पीछे महिलाओं तक पहुंच, ताकतवर लोगों से संपर्क और अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा दोबारा हासिल करने की कोशिश जैसे पहलू थे।

रूस से एपस्टीन की दिलचस्पी कैसे शुरू हुई : 1989 में बर्लिन की दीवार गिरने और सोवियत संघ के खुलने के बाद पश्चिमी देशों की मॉडलिंग एजेंसियों की नजर पूर्वी यूरोप और रूस की युवा प्रतिभाओं पर पड़ी। उस दौर में कई मॉडलिंग एजेंट नए चेहरों की तलाश में रूस और आसपास के देशों में पहुंच रहे थे। इसी नेटवर्क में फ्रांस के मॉडलिंग एजेंट जीन-ल्यूक ब्रुनेल भी शामिल थे। वह पेरिस की मॉडलिंग एजेंसी करिन मॉडल्स के लिए काम करते थे। उनका काम पूर्वी यूरोप और पूर्व सोवियत संघ से लड़कियों और युवतियों को



मॉडलिंग के अवसर दिलाने के नाम पर पेरिस लाना था। इसी दौरान ब्रुनेल के जरिए एपस्टीन की मॉडलिंग की दुनिया में पहुंच बढ़ी। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, कम उम्र की लड़कियों को मॉडलिंग और बेहतर करियर का सपना दिखाकर उसके संपर्क में लाया जाता था। 1991 में पेरिस में ब्रुनेल के एक कार्यक्रम में शामिल हुई पूर्व मॉडल थिसिया हुइसमैन ने एक रूसी लड़की को एपस्टीन के साथ बैठे देखा था। उनके मुताबिक, लड़की काफी कम उम्र की लग रही थी और उसने बताया था कि ब्रुनेल उसे सुपरमॉडल बनाने का वादा करके पेरिस लाए थे।

मॉडलिंग का नेटवर्क शोषण का जरिया कैसे बना : एपस्टीन का रूस से जुड़ाव सिर्फ मॉडल्स से मुलाकात तक सीमित नहीं रहा। धीरे-धीरे मॉडलिंग एजेंसियां उसके लिए महिलाओं और लड़कियों तक पहुंच बनाने का माध्यम बनती गईं। रॉयटर्स की जांच में पूर्व सोवियत संघ की कम से कम 17 ऐसी महिलाओं की पहचान हुई, जिन्हें एपस्टीन के यौन शोषण और मानव तस्करी के नेटवर्क में लाया गया था। 2003 में ब्रुनेल ने मियामी में करिन मॉडल्स ऑफ अमेरिका नाम से मॉडलिंग एजेंसी शुरू की। दो साल बाद इसका नाम बदलकर रूष्ट2 मॉडल्स मैनेजमेंट कर दिया गया। ब्रुनेल ने फ्रांसीसी जांचकर्ताओं को बताया था कि एपस्टीन ने इस एजेंसी को 3 लाख डॉलर के कर्ज की गारंटी दी थी। रूस से मॉडल्स की भर्ती करती थी। एजेंसी उन्हें अमेरिका जाने के लिए जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने में मदद करती थी, जबकि एपस्टीन उनके रहने के लिए अपार्टमेंट की व्यवस्था करता था। इस व्यवस्था का एक उदाहरण स्वेतलाना पॉझिदायेवा हैं। उन्होंने रॉयटर्स को बताया कि 2008 में पेरिस में उनकी मुलाकात एपस्टीन से हुई थी। उसने उन्हें विक्टोरिया सीक्रेट में मॉडलिंग का अवसर दिलाने का वादा किया था। अगले साल वह अमेरिका पहुंचीं और MCw से जुड़ गईं। बाद में वह एपस्टीन की निजी सहायक भी बनीं। उनके मुताबिक, एपस्टीन उनका यौन शोषण करता था। उन्होंने बताया कि उनका वीजा एजेंसी के जरिए था, रहने की व्यवस्था एपस्टीन करता था और उनके खर्चों को कर्ज के रूप में दर्ज किया जाता था। इससे उनके लिए उस माहौल से बाहर निकलना मुश्किल हो गया था।

रूसी अरबपतियों से दोस्ती क्यों चाहता था एपस्टीन : 2008 में नाबालिग लड़की से जुड़े यौन अपराध सहित वेश्यावृत्ति के आरोपों में दोष स्वीकार करने के बाद एपस्टीन को 13 महीने जेल में रहना पड़ा था। इसके बाद उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा को बड़ा झटका लगा। रॉयटर्स के मुताबिक, इसी दौर में उसने रूसी अरबपतियों और प्रभावशाली लोगों से संपर्क बढ़ाने की कोशिश की। वह खुद को वित्तीय मामलों का विशेषज्ञ बताता था और अमीर कारोबारियों को निवेश संबंधी सलाह देने की पेशकश करता था। इनमें रूसी रियल एस्टेट कारोबारी व्लादिस्लाव डोरोनिन भी शामिल थे। 2010 में डोरोनिन के कार्यालय ने एपस्टीन को मॉस्को के एक चैरिटी कार्यक्रम में आमंत्रित किया था। बाद में दोनों ने न्यूयॉर्क में डिनर किया और मॉस्को की एक बड़ी रियल एस्टेट परियोजना पर चर्चा भी की। एपस्टीन ने धातु उद्योग के अरबपति ओलेग डेरिपास्का से भी संपर्क बनाने की कोशिश की। हालांकि, दोनों की मुलाकात हुई थी या नहीं, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी। रूस में एपस्टीन की दिलचस्पी का सबसे अहम पहलू पुतिन तक पहुंच बनाना था। सितंबर 2011 में वह रूस की यात्रा की योजना बना रहा था। उसके ईमेल में मॉडलिंग एजेंट और एक वैज्ञानिक अकादमी से मुलाकात का जिक्र था। एक कर्मचारी ने बताया था कि उसके रूसी बॉडीगार्ड के अनुसार, एपस्टीन की पुतिन से मुलाकात भी तय थी। हालांकि, बाद में यात्रा रद्द हो गई और मुलाकात होने का कोई प्रमाण नहीं मिला।

ईरान युद्ध पर डोनाल्ड ट्रंप को मिली बड़ी राहत, सीनेट ने सेना की वापसी से जुड़े प्रस्ताव को किया खारिज

वॉशिंगटन, एजेंसी। 3 नवंबर के मध्यावधि चुनावों के बाद युद्ध पर हुए अपने पहले मतदान में, अमेरिकी सीनेट ने हाउस (प्रतिनिधि सभा) ने पारित एक प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। इस प्रस्ताव में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान के साथ चल रहे संघर्ष से अमेरिकी सेनाओं को वापस बुलाने का निर्देश दिया गया था। सीनेट के आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, गुरुवार को यह प्रस्ताव 48-51 के अंतर से गिर गया। इसके खारिज होने के साथ ही सीनेट में यह प्रस्ताव समाप्त हो गया है। तीन रिपब्लिकन सदस्यों - मेन की सुसान कोलिन्स, अलास्का की लिसा मुर्कोव्स्की और केंटकी के रैंड पॉल - ने डेमोक्रेट्स के साथ मिलकर इस प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया। पेंसिल्वेनिया के डेमोक्रेट जॉन फेटरमैन ने इसके खिलाफ वोट किया। कनेक्टिकट के डेमोक्रेट क्रिस मर्फी ने मतदान नहीं किया और सदन में उन्हें अनिवार्य रूप से अनुपस्थित घोषित किया गया। नॉर्थ कैरोलिना के रिपब्लिकन थॉम टिलिस, जिन्होंने सितंबर में इसी तरह के एक प्रस्ताव का समर्थन किया था। उसने इस बार इसके खिलाफ वोट दिया। इससे पहले वाला प्रस्ताव, 24 सितंबर को 49-50 के अंतर से गिर गया था। सीनेटर एडम शिफ के कार्यालय ने बताया कि गुरुवार को हुआ मतदान युद्ध शक्तियों के प्रस्ताव के जरिए युद्ध को खत्म करने के लिए सीनेट का 15वां वोट था। रोल कॉल रिकॉर्ड के अनुसार, सीनेट ने 23 जून को 50-48 के अंतर से ऐसा ही एक प्रस्ताव पारित किया था।

मैसाचुसेट्स के डेमोक्रेटिक प्रतिनिधि सेठ मौल्टन ने 28 अप्रैल को पेश किया था। 15 सितंबर को हाउस ने 220-204 के अंतर से इसे मंजूरी दे दी। इस प्रस्ताव में 1973 के युद्ध शक्तियों के प्रस्ताव की धारा 5(ष) का हवाला दिया गया था। एक समवर्ती प्रस्ताव होने के नाते, इसे हस्ताक्षर के लिए राष्ट्रपति के पास भेजने की आवश्यकता नहीं थी।

डेमोक्रेटिक सीनेटर टिमकेन ने क्या कहा : बहस के दौरान, वर्जीनिया के डेमोक्रेटिक सीनेटर टिमकेन ने अपने साथियों से कहा, वही करें जिसकी मांग संविधान करता है, जिसकी मांग हमारी जनता करती है और वह है इस अवैध युद्ध को खत्म करना। कांग्रेसनल रिकॉर्ड के अनुसार, केन ने कहा, अमेरिकी जनता इससे तंग आ चुकी है। लेकिन हम, यहां सीनेट में, इसे ठीक करने की क्षमता रखते हैं। यह वोट देना कि यह युद्ध अवैध है, इसी दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। विस्कॉन्सिन की डेमोक्रेटिक सीनेटर टैमी बाल्डविन ने सदन में कहा कि इस युद्ध की वजह से करदाताओं के कम से कम 47 अरब डॉलर खर्च हुए हैं और 23 अमेरिकियों ने अपनी जान गंवाई है।

सिर्फ मौजूदा हालात से बचने के लिए डील नहीं, अराघची ने अमेरिका को दिया संदेश, कहा- पहले दे सुरक्षा की गारंटी

तेहरान, एजेंसी। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने गुरुवार (स्थानीय समय) को कहा कि तेहरान केवल मौजूदा गतिरोध को खत्म करने के लिए वाशिंगटन के साथ कोई समझौता स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी समझौते में ईरान के राष्ट्रीय हितों की रक्षा होनी चाहिए और भविष्य में फिर से संघर्ष न होने का आश्वासन मिलना चाहिए। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान के सरकारी अखबार को दिए एक साक्षात्कार में अराघची ने कहा कि तेहरान मौजूदा न युद्ध, न शांति वाली स्थिति में बने रहने के बजाय एक अच्छा, सम्मानजनक और स्थायी समझौता चाहता है। वाशिंगटन के साथ किसी भी संभावित समझौते के टिकाऊपन पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, आज कोई समझौता करने का क्या फायदा, अगर दो महीने बाद ही उसका उल्लंघन हो जाए और फिर से युद्ध शुरू हो जाए किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं करेगा अराघची ने बताया कि जून में हुए संघर्ष-विराम समझौते के महज 15 दिन बाद ही लड़ाई फिर से शुरू हो गई थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि तेहरान केवल मौजूदा स्थिति से बचने के लिए किसी भी तरह का समझौता स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा, सिर्फ मौजूदा हालात से बचने के लिए हर समझौता स्वीकार करने लायक नहीं होता।

ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि कोई भी समझौता ऐसा होना चाहिए जो एक और युद्ध को रोके, और इसमें ऐसी कोई रियायत नहीं होनी चाहिए जिसे वाशिंगटन अपनी जीत के रूप में पेश कर सके। परमाणु मुद्दे पर, अरागची ने कहा कि ईरान 60 प्रतिशत तक संवर्धित यूरेनियम के अपने भंडार को लेकर बातचीत के जरिए समाधान निकालने के लिए तैयार है, लेकिन उन्होंने इस सामग्री को देश के बाहर भेजने की संभावना को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि ईरान के परमाणु संवर्धन पर एक उचित फॉर्मूला निकाला जा सकता है, लेकिन साथ ही जोर दिया कि इस मुद्दे को अन्य मांगों से अलग करके नहीं देखा जा सकता। इसे एक व्यापक समझौते का हिस्सा होना चाहिए, जो ईरान के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करे।

लॉरेंस के करीबी गोल्डी पर यूएस ने कसा शिकंजा, एफबीआई ने घोषित किया मोस्ट वांटेड भगोड़ा, रखा 9 करोड़ का इनाम

वाशिंगटन, एजेंसी। गैंगस्टर गोल्डी बराड़ की तलाश में अमेरिका और कनाडा की जांच एजेंसियों ने शिकंजा कस दिया है। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआ ने उसे अपनी टॉप 10 मोस्ट वांटेड भगोड़े की सूची में शामिल किया है। वहीं, कनाडा ने भी हाल ही में उसे देश के 25 सबसे वांछित भगोड़ों की सूची में शीर्ष स्थान पर रखा है। एफबीआई ने गोल्डी बराड़ की सूचना देने वाले को 10 लाख अमेरिकी डॉलर (9.26 करोड़ रुपये) तक का इनाम देने की घोषणा की है। वहीं, कनाडा में उसकी गिरफ्तारी से जुड़ी जानकारी देने पर 2.5 लाख कनाडाई डॉलर तक का इनाम घोषित किया गया है।

एफबीआई ने 28 सितंबर 2026 को सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बराड़ को अपनी मोस्ट



वांटेड सूची में शामिल किया था। वह इस सूची में शामिल होने वाला 543वां भगोड़ा है। अमेरिकी एजेंसी के मुताबिक, बराड़ लॉरेंस बिश्नोई संगठित अपराध गिरोह का उत्तरी अमेरिका में कथित प्रमुख है। इस गिरोह पर अमेरिका और कनाडा में कई हिंसक अपराधों में शामिल होने के आरोप हैं। एफबीआई के अनुसार, इन अपराधों में राजनीतिक और धार्मिक हस्तियों की लक्षित हत्याएं, गोलीबारी, हत्या, अपहरण, जबरन वसूली, हमले और मादक पदार्थों व हथियारों की तस्करी शामिल हैं। अमेरिकी एजेंसी ने बराड़ को बेहद खतरनाक और हथियारबंद बताया है। अमेरिका में किन मामलों में गोल्डी पर केस दर्ज एफबीआई के मुताबिक, गोल्डी बराड़ के खिलाफ अमेरिका की संघीय अदालत में कई गंभीर आरोप दर्ज हैं। इनमें संगठित अपराध गिरोह चलाने की साजिश, जबरन वसूली के लिए साजिश और मादक पदार्थों के वितरण की साजिश शामिल है। अमेरिकी जांच एजेंसी ने बताया कि सात जुलाई 2026 को ऑपरेशन हार्डबॉल के तहत तीन अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराध गिरोहों से जुड़े 37 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए गए थे। इनमें लॉरेंस बिश्नोई और गोल्डी बराड़ से जुड़े गिरोह के सदस्य भी शामिल हैं। एफबीआई के अनुसार, बिश्नोई गिरोह का नेटवर्क कई देशों में फैला हुआ है। इस गिरोह पर अमेरिका में भी हिंसक गतिविधियों, जबरन वसूली और मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल होने के आरोप हैं। कनाडा ने टॉप-25 वांछितों की सूची में पहले स्थान पर क्यों रखा इससे पहले 19 नवंबर को कनाडा के बोलो प्रोग्राम ने देश के 25 सबसे वांछित भगोड़ों की नई सूची जारी की थी। इसमें गोल्डी बराड़ को पहले स्थान पर रखा गया। कनाडा के विनिपेग पुलिस विभाग ने उसकी गिरफ्तारी में मददगार सूचना देने वाले को 2.5 लाख कनाडाई डॉलर तक का इनाम देने की घोषणा की है। यह इनाम कनाडा या अमेरिका में उसकी गिरफ्तारी से जुड़ी जानकारी देने पर मिलेगा। इसकी समयसीमा दो नवंबर 2027 तक है।

यूएनएससी में गतिरोध बरकरार: अगले महासचिव के नाम पर नहीं बनी बात, जानें क्या बात बन रही बाधा

अल्बानी, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में नए महासचिव के चुनाव को लेकर गतिरोध जारी है। कार्यभार संभालने में अब सिर्फ 40 दिन बचे हैं। लेकिन एंटोनियो गुटेरेस के उत्तराधिकारी के नाम पर अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। वर्तमान महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है।

उससे पहले नए महासचिव के नाम को अंतिम रूप देने के लिए सुरक्षा परिषद ने गुप्त मतदान और अनौपचारिक परामर्श की प्रक्रिया आगे बढ़ानी होगी। शुक्रवार को काउंसिल के अनौपचारिक मतदान में यूएनसीटीएडी प्रमुख रेबेका ग्रिनस्पैन सबसे आगे थीं, लेकिन उन्हें वीटो का अधिकार रखने



वाले दो स्थायी सदस्यों के विरोध का सामना करना पड़ा, जो उनके चुनाव में एक बाधा बन गया। कुल मिलाकर, कोस्टा रिका की रहने वालीं ग्रिनस्पैन को दस सकारात्मक वोट मिले। वह आठ उम्मीदवारों में अकेली ऐसी थीं, जिन्होंने नौ वोटों की जरूरी सीमा को पार किया। यह नौवां गुप्त मतदान था, जिसमें स्थायी सदस्यों की पहचान करने के लिए अलग-अलग रंगों वाले मतपत्रों का इस्तेमाल किया गया था। हालांकि गुयाना की पूर्व विदेश मंत्री कैरोलिन रोड्रिग्स-बर्किट चौथे स्थान पर रहीं, लेकिन उन्हें स्थायी सदस्यों की ओर से केवल दो नकारात्मक वोट मिले, जबकि कुल मिलाकर उन्हें छह सकारात्मक वोट प्राप्त हुए। अर्जेंटीना से ताल्लुक रखने वाले इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख आठ सकारात्मक और तीन नकारात्मक वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। संयुक्त अरब अमीरात की राज्य मंत्री लाना नुसैबेह सात सकारात्मक वोटों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं, लेकिन उन्हें भी स्थायी सदस्यों से तीन नकारात्मक वोट मिले। अमेरिका के स्थायी प्रतिनिधि माइक वाल्ट्ज ने उन उम्मीदवारों से दौड़ से बाहर होने को कहा, जिन्हें बहुत कम समर्थन मिल रहा है। मतदान से पहले उन्होंने कहा, अगर उन्हें पर्याप्त समर्थन नहीं मिल रहा है, तो शायद अब समय आ गया है कि वे पीछे हट जाएं, ताकि काउंसिल उन उम्मीदवारों पर विचार कर सके जिन्हें कुछ हद तक समर्थन मिल रहा है। चूंकि यह मतदान गुप्त था, इसलिए यह पता नहीं चल सका कि किन स्थायी सदस्यों ने नकारात्मक वोट दिए। लैटिन अमेरिका और कैरेबियन देशों ने मांग की है कि अगला महासचिव इसी क्षेत्र से होना चाहिए। 1991 में जेवियर पेरेज डी कुएलर का कार्यकाल खत्म होने के बाद से, इस क्षेत्र के किसी भी व्यक्ति ने यह पद नहीं संभाला है। उस बात को 35 साल बीत चुके हैं।

अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाया तो खैर नहीं, एफबीआई चीफ की साइबर अपराधियों को दो टूक

वाशिंटन, एजेंसी। अमेरिकी वित्तीय और कॉर्पोरेट तंत्र पर बढ़ते साइबर हमलों और तकनीकी रुकावटों के बीच सुरक्षा एजेंसियों ने आक्रामक रुख अपना लिया है। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के निदेशक काश पटेल ने अमेरिकी नागरिकों और व्यवसायों को निशाना बनाने वाले साइबर अपराधियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा है कि उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में एफबीआई ने साइबर खतरों के खिलाफ वैश्विक स्तर पर ऑपरेशन विंटर शील्ड शुरू करने का एलान किया है।

क्या है एफबीआई का ऑपरेशन विंटर शील्ड : एफबीआई निदेशक काश पटेल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बताया कि ऑपरेशन विंटर शील्ड का मकसद देश के साइबर डिफेंस को मजबूत करना और अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के सहयोग से व्यापारिक प्रतिष्ठानों, सरकारी प्रणालियों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा करना है। पटेल ने कहा, ÷राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में एफबीआई दुनिया भर के साइबर अपराधियों के खिलाफ सीधी कार्रवाई कर रही है। हमारा संदेश बिल्कुल साफ है- यदि आप अमेरिकी लोगों को निशाना बनाएंगे, तो कानून आपको ढूंढ निकालेगा। साइबर नीति के शीर्ष नेतृत्व में क्या बदलाव हुए हैं साइबर सुरक्षा को लेकर यह अमेरिका का यह आक्रामक रुख ऐसे समय में सामने आया है जब ट्रंप प्रशासन ने अपने साइबर सुरक्षा नेतृत्व में बड़ा फेरबदल किया है।

नई नियुक्ति- व्हाइट हाउस ने कर्स्टन ए. डेविस को ऑफिस ऑफ द नेशनल साइबर डायरेक्टर का कार्यवाहक प्रमुख नियुक्त किया है। स्थायी पद के लिए अमेरिकी सीनेट की मंजूरी जरूरी होने के कारण डेविस फिलहाल कार्यवाहक रूप में जिम्मेदारी संभालेंगी।

पूर्व निदेशक का कार्यकाल : डेविस ने सीन केर्नक्रॉस का स्थान लिया है, जो अगस्त 2025 से संघीय साइबर सुरक्षा नीति और रणनीति की देखरेख कर रहे थे।

प्रशासनिक प्रतिक्रिया : अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने डेविस की नियुक्ति का स्वागत करते हुए सोशल मीडिया पर कहा कि वह अमेरिका की साइबर सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए मिलकर काम करने को उत्सुक हैं।

जेपी मॉर्गन चेस के ग्राहकों का डेटा कैसे हुआ प्रभावित : अमेरिकी वित्तीय क्षेत्र में साइबर लचीलेपन (साइबर रेजिलिएंस) को लेकर चिंताएं उस वक्त और बढ़ गईं जब देश के सबसे बड़े बैंकों में शामिल जेपी मॉर्गन चेस ने अपने तीसरे पक्ष के सेवा प्रदाताओं (थर्ड-पार्टी वेंडर्स) पर साइबर हमले का खुलासा किया। इस हमले में बैंक के लगभग 16,000 सबसे धनी ग्राहकों की व्यक्तिगत जानकारी प्रभावित होने की आशंका है। यह लीक बैंक के विशेष रिजर्व प्रोग्राम से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है, जो निमंत्रण-आधारित वीजा क्रेडिट कार्ड है और जिसके लिए आम तौर पर प्रबंधन के तहत एक करोड़ डॉलर से अधिक की संपत्ति होना आवश्यक होता है।

अमेरिका में हैकर्स का फिर हमला: एफबीआई के आपराधिक रिकॉर्ड्स में दूसरी बार लगी सेंध, जानें यह कितना खतरनाक

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और डेटा सुरक्षा तंत्र को एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के सबसे महत्वपूर्ण नेशनल क्राइम इंफॉर्मेशन सेंटर डेटाबेस में सेंधमारी का गंभीर मामला सामने आया है। हाल के महीनों में देश के अपराध रिकॉर्ड को निशाना बनाने वाली यह दूसरी बड़ी साइबर सुरक्षा घटना है। यह हैक ऐसे समय में हुआ है जब अमेरिकी प्रशासन बैंकिंग और बुनियादी ढांचा प्रणालियों में आई तकनीकी रुकावटों के बाद सार्वजनिक विश्वास बहाल करने में जुटा हुआ था।

नवीनतम सेंधमारी ने एफबीआई के जिस देशव्यापी आपराधिक सूचना डेटाबेस को निशाना बनाया है, वह पूरे अमेरिकी कानून प्रवर्तन तंत्र के लिए जीवन रेखा के समान है।

संवेदनशील रिकॉर्ड : इसमें फरार अपराधियों (भगोड़ों), चोरी की संपत्तियों, अदालती वारंटों, बैकग्राउंड वेरिफिकेशन और अन्य गंभीर आपराधिक गतिविधियों से जुड़ी अत्यंत संवेदनशील जानकारी सुरक्षित रहती है।

सूचना तंत्र पर असर : जांच से जुड़े सूत्रों के अनुसार, इस ब्रीच के चलते संघीय, राज्य और स्थानीय एजेंसियों के बीच महत्वपूर्ण सूचनाओं के सुरक्षित आदान-प्रदान में बड़ी बाधा उत्पन्न होने की आशंका है। ताजा साइबर ब्रीच पर एफबीआई निदेशक की



क्या प्रतिक्रिया रही एफबीआई अधिकारियों को इस नई साइबर सुरक्षा घटना की जानकारी मिलने के बाद, एजेंसी के निदेशक कश पटेल फॉक्स न्यूज पर सामने आए। पटेल ने एफबीआई के साइबर सुरक्षा कार्यों का बचाव करते हुए एक ऐसे ऑपरेशन पर विस्तार से बात की, जो वास्तव में महीनों पहले ही पूरा हो चुका था। इसका मुख्य उद्देश्य कंपनियों के सिस्टम अपडेट करवाना और हैकर्स को संवेदनशील डेटा तक पहुँचने से रोकना था। ऑपरेशन विंटर शील्ड का उल्लेख- पटेल ने ऑपरेशन विंटर शील्ड का ज़िक्र इस तरह किया मानो वह कार्रवाई वर्तमान में भी सक्रिय हो। प्रशासनिक नीतियों का बचाव- उन्होंने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा हेतु सिस्टम अपडेट करने के लिए मौजूदा प्रशासन की सराहना की और तर्क दिया कि पूर्ववर्ती प्रशासन भी ये तकनीकी सुधार कर सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। भर्ती वेबसाइट पर हमला- इसी वर्ष सितंबर में शाइनीहंटर्स नामक हैकर समूह ने एफबीआई की भर्ती (जॉब) वेबसाइट को निशाना बनाया था, जिसमें एजेंसी कर्मचारियों का संवेदनशील व्यक्तिगत डेटा चोरी हुआ था। इस मामले में एक कनाडाई साइबर सुरक्षा शोधकर्ता और लेखक को गिरफ्तार भी किया गया है। कर्मचारियों का असंतोष- उस हमले के बाद कई कर्मचारियों में रोष था क्योंकि उन्हें समय पर यह तक स्पष्ट नहीं किया गया था कि उनका व्यक्तिगत डेटा चोरी हुआ है या नहीं, और पीड़ितों को दिए गए सुरक्षा संसाधन भी नाकाफी थे।

न्यूयॉर्क फील्ड ऑफिस हैक (2023): इससे पहले वर्ष 2023 में हैकर्स ने एफबीआई के न्यूयॉर्क फील्ड ऑफिस के कंप्यूटर सिस्टम में सेंध लगाई थी, जिसका इस्तेमाल बाल यौन शोषण मामलों और जेफरी एपस्टीन जांच से जुड़ी फाइलों को रखने के लिए किया जाता था।

वित्तीय और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए क्या हैं खतरे : एफबीआई डेटाबेस में यह ताजा सेंधमारी ऐसे नाजुक मोड़ पर सामने आई है, जब अमेरिकी संस्थाएं व्यापक तकनीकी संकट से जूझ रही हैं। हाल के दिनों में प्रमुख बैंकों, राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनएसए) और फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन के हवाई यातायात नियंत्रण प्रणालियों में भारी तकनीकी रुकावटें (आउटेज) दर्ज की गई हैं।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशक: सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHI

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोटा में भीषण सड़क हादसा : 9 श्रद्धालुओं की मौत, 6 घायल

जयपुर, एजेंसी। कोटा-उदयपुर नेशनल हाईवे पर शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात करीब 2:00 बजे एक भीषण सड़क हादसे में नौ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि छह अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा तब हुआ जब महाराष्ट्र के एक ही परिवार के पंद्रह सदस्यों को लेकर जा रही एक तेज रफ्तार क्रूजर गाड़ी शंभूपुरा गांव के पास सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई। ये सभी श्रद्धालु राजस्थान में खाटू श्यामजी के दर्शन कर अपने घर लौट रहे थे।

दिल्ली से कश्मीर तक दवाओं की अवैध सप्लाई के अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़

- एनसीबी ने पांच लाख से ज्यादा की टैबलेट, कैप्सूल और दवाओं की बोतलें की बरामद

जम्मू, एजेंसी। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) जम्मू जोनल यूनिट ने दिल्ली जोनल यूनिट के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए दिल्ली से कश्मीर घाटी तक फार्मास्युटिकल दवाओं की अवैध सप्लाई करने वाले अंतरराज्यीय नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। मामले में अब तक चार लोगों को गिरफ्तार किया है। जांच में दिल्ली के शाहदरा में एक गुप्त गोदाम से पांच लाख से ज्यादा टैबलेट, कैप्सूल और कई दवाओं की बोतलें बरामद की गई हैं। एनसीबी के मुताबिक विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर 16 नवंबर 2026 की तड़के जम्मू यूनिट ने उधमपुर जिले के चेनानी स्थित माडा टोल प्लाजा के पास श्रीनगर जा रही एक यात्री बस को रोककर तलाशी ली। इस दौरान डोडा जिले के भद्रवाह निवासी एक व्यक्ति से करीब 7 किलोग्राम कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद किया। इसके बाद मामला दर्ज किया गया। आगे की जांच में कश्मीर घाटी में कार्रवाई करते हुए अनंतनाग जिले के एक शख्स को पकड़ा, जिसे इस खेप का मुख्य प्राप्तकर्ता बताया जा रहा है। सप्लाई लिंक की जांच दिल्ली तक पहुंचने पर एनसीबी जम्मू और दिल्ली की संयुक्त टीम ने दिल्ली में इस नेटवर्क से जुड़े लोगों को गिरफ्तार किया और 18 नवंबर को 356 बोतल कोडीन युक्त कफ सिरप बरामद किया।



राम कथा सुन लौटे 500 से ज्यादा पाकिस्तानी हिंदू, विदाई के समय भावुक दिखे राजा भैया

- पीएम मोदी से भारतीय नागरिकता की प्रक्रिया आगे बढ़ाने की मांग

प्रतापगढ़, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के कुंडा में तीन दिन तक श्रीराम कथा में शामिल होने के बाद पाकिस्तान से आए 500 से ज्यादा हिंदू शरणार्थी रविवार को वापस लौट गए। विदाई के दौरान माहौल भावुक हो गया। शरणार्थियों के साथ कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया ने भी मुलाकात की। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से आए ये लोग उनके लिए पराए नहीं, बल्कि अपने ही घर आए हैं।

कुंडा में बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की श्रीराम कथा का आयोजन किया गया था। इसमें शामिल होने के लिए पाकिस्तान से 500 से ज्यादा हिंदू शरणार्थी पहुंचे थे। तीन दिनों तक इन परिवारों के ठहरने और भोजन की व्यवस्था आयोजकों की ओर से की गई। इस दौरान उन्होंने कथा में हिस्सा लेने के साथ स्थानीय लोगों से मुलाकात की। रविवार को जब इन परिवारों की वापसी का समय आया तो कई लोग अपने मेजबानों से बिछड़ते समय भावुक नजर आए। महिलाएं और अन्य लोग स्थानीय लोगों से मिले अपनत्व को याद करते हुए भावुक हो गए। विदाई के समय राजा भैया भी वहां पहुंचे और शरणार्थियों से मुलाकात कर उनसे बातचीत की। इस दौरान वह भी भावुक नजर आए।

पाकिस्तान से आए परिवारों ने कहा, कुंडा में बिताए गए तीन दिन उनके लिए बेहद खास रहे। यहां उन्हें रहने और खाने की सुविधा मिली और श्रीराम कथा में शामिल होने का अवसर मिला। स्थानीय लोगों के व्यवहार और अपनत्व ने भी उन्हें प्रभावित किया। विदाई के दौरान इन परिवारों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भारत की नागरिकता देने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की मांग भी की।

देश के कई राज्यों में बढ़ी ठंड, राजस्थान के 6 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे

मध्यप्रदेश के 12 जिलों में बारिश का अलर्ट, यूपी के 24 जिलों में छाया घना कोहरा

नई दिल्ली , एजेंसी। दिल्ली, राजस्थान समेत देश के कई राज्यों में ठंड बढ़ गई है। राजस्थान के 6 शहरों में शनिवार रात न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे रहा। फतेहपुर में सबसे कम 6.1 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। सीकर में 7.7, उदयपुर में 8.7 और चूरू में 9.5 डिग्री पारा दर्ज किया गया। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और बिहार में चक्रवात 'अकवान' के चलते बारिश होने और पहाड़ों पर बर्फबारी के असर से मौसम बदल गया है। मध्यप्रदेश के जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में बारिश हो रही है। उज्जैन में ठंड के चलते आठवीं तक के स्कूलों का समय बदलकर सुबह 9 बजे के बाद कर दिया गया है। बिहार में रविवार सुबह नालंदा और भागलपुर में बारिश हुई। पिछले 24 घंटे में पटना समेत 9 जिलों में बारिश दर्ज की गई। यूपी के 24 जिलों में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। वहीं, झारखंड में खराब मौसम के कारण शनिवार को रांची एयरपोर्ट पर 20 फ्लाइट रद्द और चार को डायवर्ट किया गया।

सर्दी बढ़ने के साथ प्रदूषण का स्तर भी बढ़ रहा है। राजस्थान के बीकानेर में एक्यूआई 311, भिवाड़ी में 301 में दर्ज किया गया। दिल्ली की हवा की गुणवत्ता



शनिवार को भी 'खराब' बनी रही। एक्यूआई 265 दर्ज किया गया। दरअसल, सर्दी में हवा ठंडी और भारी होने लगती है, उसकी रफ्तार भी कम हो जाती है। इससे प्रदूषक कण जमीन के पास जमा होने लगते हैं। यही वजह है कि पंजाब, हरियाणा और उत्तरी राजस्थान में पराली जलाने से उठा धुआं पश्चिमी राजस्थान तक पहुंच रहा है।

रेगिस्तानी इलाकों में रात को तापमान तेजी से गिरता है। इससे थर्मल इन्वर्जन की स्थिति बन सकती है। इस दौरान प्रदूषक कण और धुआं ऊपर फैलने के बजाय निचली हवा में ही फंसे रहते हैं। हवा की ऊपरी परत गर्म होने से प्रदूषण को फैलने का रास्ता नहीं मिलता। उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश से आ रही सर्द हवाओं से राजस्थान में ठंड बढ़ने लगी है।

चक्रवाती तूफान 'अकवान' और पहाड़ों पर बर्फबारी के असर से मध्य प्रदेश में मौसम बदल गया है। जबलपुर, रीवा और शहडोल संभाग में बारिश हो रही है, जबकि भोपाल, इंदौर और उज्जैन में ठंड बढ़ गई है। रविवार को 12 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, शाजापुर में न्यूनतम तापमान 9 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज किया गया। वहीं यूपी के 24 जिलों में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। संभल, मुजफ्फरनगर, देवरिया और बुलंदशहर समेत कई जिलों में विजिबिलिटी कम रही। ग्रामीण इलाकों में 10 मीटर दूर तक देखना मुश्किल हो गया। हरदोई में रात का न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

मुलायम सिंह की जयंती पर सपा दफ्तर में हुआ सुंदरकांड का पाठ

- अखिलेश बोले- सपा सरकार बनी तो बढ़ा देंगे यश भारती की सम्मान राशि

लखनऊ , एजेंसी। समाजवादी पार्टी के संस्थापक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की जयंती पर रविवार को लखनऊ स्थित सपा कार्यालय में सुंदरकांड का पाठ किया गया। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस अवसर पर अपने पिता और पार्टी संस्थापक को याद करते हुए कहा कि नेताजी सबको साथ लेकर चलने का सिद्धांत देकर गए हैं और समाजवादी पार्टी इसे आगे बढ़ाती रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकार बनी तो यश भारती की सम्मान राशि बढ़ाई जाएगी।

अखिलेश यादव ने कहा कि मुलायम सिंह यादव के पास जो भी मदद के लिए आया, उन्होंने उसकी सहायता की। उन्होंने कहा कि पार्टी पीडीए आंदोलन को आगे बढ़ाएगी और जो लोग रूठे हुए हैं, उन्हें मनाने का प्रयास करेगी। साथ ही जो लोग पार्टी से अलग हो गए हैं, उन्हें भी साथ लाने की कोशिश की जाएगी। अखिलेश यादव ने घोषणा की कि 2027 में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर यश भारती सम्मान की राशि बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दी जाएगी। उन्होंने उन बच्चों के प्रति आभार जताया, जो समाजवादी पार्टी की सरकार में लैपटॉप मिलने की बात स्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार के दौरान केटीएमयू और राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट के डॉक्टरों को पीजीआई की तरह सुविधाएं देने का काम किया गया था।

इस अवसर पर अखिलेश ने मौजूदा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि यह सरकार कम देगी और ज्यादा छीनेगी। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों के हाथ में विकास की रेखा होती है, जबकि कुछ के हाथ में विनाश की।

सीएम योगी ने श्रद्धांजलि अर्पित की

मुलायम सिंह यादव की जयंती पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। योगी ने उन्हें पूर्व रक्षा मंत्री, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और पद्म विभूषण से सम्मानित नेता बताया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक ने भी उन्हें याद किया। गौरतलब है कि मुलायम सिंह यादव ने 1992 में समाजवादी पार्टी की स्थापना की थी। वह तीन बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे और देश के रक्षा मंत्री भी रहे। उनका जन्म 22 नवंबर 1939 को इटावा के सैफई में हुआ था। 10 अक्टूबर 2022 को 82 वर्ष की उम्र में उनका निधन हुआ था।

जज की जगह ओवैसी को गार्ड ऑफ ऑनर, जांच के आदेश

- सहारनपुर में प्रोटोकॉल में बड़ी लापरवाही

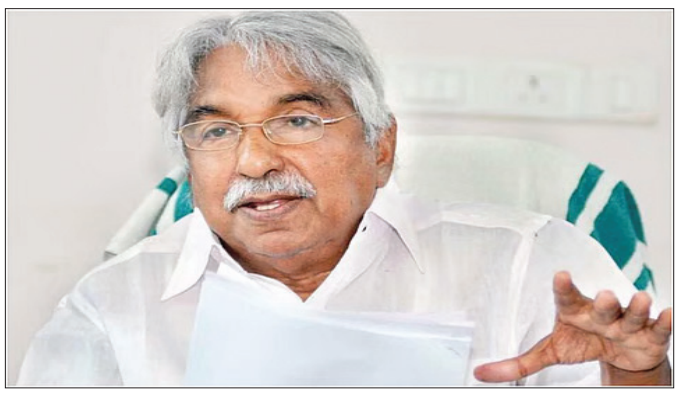
प्रतापगढ़, एजेंसी। सहारनपुर(ईएमएस)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में एक अजीबोगरीब वाकया सामने आया है, जहाँ शनिवार को पुलिसकर्मियों ने एक न्यायाधीश को दिए जाने वाले गार्ड ऑफ ऑनर को गलती से एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी को दे दिया। इस गंभीर प्रोटोकॉल में लापरवाही के बाद, जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच के आदेश दिए हैं। एक पुलिस अधीक्षक को इस मामले की विस्तृत जांच सौंपी गई है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह गलती किन परिस्थितियों में और कैसे हुई। यह घटना सहारनपुर सर्किट हाउस में घटी, जब सांसद ओवैसी आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चंद्रशेखर आजाद के घर छुटमलपुर जाने से पहले वहां पहुंचे थे। पुलिस प्रोटोकॉल के तहत एक न्यायाधीश के आगमन की तैयारी चल रही थी, जिन्हें सहारनपुर के एक गांव में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होना था। लेकिन न्यायाधीश के आने से पहले ओवैसी के पहुंचने पर, वहां मौजूद पुलिसकर्मियों ने उन्हें आते ही औपचारिक सलामी (गार्ड ऑफ ऑनर) दे दी, जिसे ओवैसी ने भी बड़े ही सहज भाव से पुलिसकर्मियों के सामने सावधान की मुद्रा में खड़े होकर स्वीकार कर लिया। हालांकि, सलामी के कुछ ही देर बाद पुलिसकर्मियों को अपनी गलती का अहसास हुआ। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अपनी सहारनपुर यात्रा के दौरान ओवैसी ने कई राजनीतिक मुद्दों पर भी बात की। उन्होंने सर्किट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में भाजपा सरकार पर कानून व्यवस्था को लेकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में कानून के बजाय बंदूक का राज चल रहा है। भाजपा की बी टीम होने के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने सामाजिक परिवर्तन मोर्चा के गठन की बात कही और दावा किया कि सपा-कांग्रेस गठबंधन भाजपा को हराने में सक्षम नहीं है। इसके बाद, ओवैसी ने छुटमलपुर में चंद्रशेखर आजाद के आवास पर भोजन किया और छत से समर्थकों को संबोधित किया। इस दौरान एआईएमआईएम, आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ जुटी रही। ओवैसी ने समर्थकों से पूछा कि क्या वे चंद्रशेखर को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री देखना चाहते हैं, जिस पर भारी भीड़ ने नारेबाजी कर समर्थन जताया।

गलती सुधार कांग्रेस में वापसी करने वालों का हो स्वागत: चांडी ओमन

कांग्रेस विधायक बोले- पार्टी छोड़कर भाजपा में गए कई लोग वापस आना चाहते हैं, सभी के लिए समान नियम हों

तिरुवनंतपुरम , एजेंसी । कांग्रेस विधायक चांडी ओमन ने रविवार को कहा कि अपनी गलतियां सुधारकर पार्टी में लौटने के इच्छुक सभी लोगों का स्वागत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टी में वापसी के लिए किसी एक व्यक्ति के लिए अलग नियम नहीं होना चाहिए। उनका यह बयान पूर्व मुख्यमंत्री के. करुणाकरण की बेटी और स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन की बहन पद्मजा वेणुगोपाल के कांग्रेस में लौटने की इच्छा जताने के सवाल पर आया।

पद्मजा वेणुगोपाल ने हाल ही में भारतीय जनता पार्टी से इस्तीफा देकर कांग्रेस में वापस आने की इच्छा जाहिर की है। इसी मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए चांडी ओमन ने कहा कि जो लोग अपनी



गलतियों को सुधारकर कांग्रेस में लौटना चाहते हैं, उन्हें मौका मिलना चाहिए। चांडी ओमन ने कहा कि यह अवसर केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं होना चाहिए। उनके अनुसार पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में गए सभी लोगों के लिए समान नियम होने चाहिए। उन्होंने कहा कि गलतियों को सुधारने के बाद कोई भी कांग्रेस में वापस आ सकता है और पार्टी को ऐसे लोगों का स्वागत करना चाहिए।

कांग्रेस विधायक ने दावा किया कि भाजपा में शामिल होने वाले कई अन्य लोग भी अब पार्टी में वापस लौटने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन लोगों को भाजपा में वहां की स्थिति का एहसास हो गया होगा और इसी वजह से वे कांग्रेस में लौटने का फैसला कर रहे हैं। चांडी ओमन ने कहा कि कांग्रेस में लौटने वाले लोगों को अगले पांच साल तक पार्टी के लिए काम करने का अवसर दिया जाना चाहिए। उनके मुताबिक पार्टी में वापसी करने वालों को संगठन को मजबूत करने में योगदान देना चाहिए।

नीतीश सेतु का उद्घाटन होते ही राजद कार्यकर्ताओं ने किया जमकर हंगामा

- बीजेपी के पोस्टर-बैनर फाड़े, तेजस्वी और लालू यादव जिंदाबाद के लगाए नारे

वैशाली, एजेंसी । बिहार के वैशाली में नीतीश सेतु का उद्घाटन होते ही राजद कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। पीएम मोदी और अन्य अतिथियों के लौटते ही कार्यकर्ताओं ने पुल पर बवाल मचा दिया। राजद कार्यकर्ताओं ने नीतीश सेतु और बीजेपी के पोस्टर-बैनर फाड़े और प्रदर्शन किया। शनिवार को राजद नेता तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी पर निशाना साधा था। वीडियो में राजद के कार्यकर्ता तेजस्वी यादव जिंदाबाद और लालू यादव जिंदाबाद के नारे लगाते नजर आ रहे हैं। नीतीश सेतु पर आरजेडी कार्यकर्ताओं ने पार्टी के झंडे भी लहराए। वीडियो में आरजेडी कार्यकर्ता बीजेपी के झंडों को कुचलते हुए नजर आ रहे हैं। शनिवार को पीएम मोदी के रवाना होते ही पुल को जनता के लिए खोल दिया गया था, जैसे ही पुल खोला गया, राजद कार्यकर्ताओं ने नीतीश सेतु पर पहुंचकर हंगामा शुरु कर दिया। नीतीश सेतु को लेकर आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने भी बीजेपी पर निशाना साधा। तेजस्वी ने बीजेपी पर तंज कसते हुए कहा कि इस पुल का नाम सिख धर्म के दसवें गुरु और खालसा पंथ के संस्थापक गुरु गोबिंद सिंह महाराज के नाम पर रखा जाना चाहिए था लेकिन बीजेपी सरकार ने राजनीति के चलते ऐसा नहीं होने दिया। तेजस्वी ने इसे बीजेपी की संकीर्ण सोच बताया। इस मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी भी हमलावर है। पंजाब सरकार में मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि अगर बिहार सरकार नीतीश कुमार को सम्मान देना चाहती है तो इसके लिए दूसरे तरीके भी हो सकते थे।

भारत-चीन के बीच टकराव को कम करने के लिए कई मुद्दों पर चर्चा, कमांडर स्तर की 10 दिन तक चलीं बैठकें

नई दिल्ली , एजेंसी। अरुणाचल प्रदेश से सटी सीमा पर कड़ाके की ठंड की शुरुआत से ठीक पहले भारत और चीन के बीच दूसरे दौर की कोर कमांडर स्तर की सैन्य वार्ता पूरी हो गई है। दिवाली के बाद 8 नवंबर को शुरू हुई यह बेहद गोपनीय बातचीत करीब दस दिनों तक चली। इसका मुख्य उद्देश्य सीमा पर बढ़ते तनाव को कम करना और दोनों देशों के बीच संवाद के रास्ते खुले रखना था। इस वार्ता में भारतीय पक्ष का नेतृत्व सेना की तीसरी कोर (स्पीयर कोर) के जनरल ऑफिसर कमांडिंग लेफ्टिनेंट जनरल गिरीश कालिया ने किया। इस कोर का मुख्यालय नागालैंड के दीमापुर के पास रंगापहाड़ में है। उनके साथ चीनी सेना के प्रतिनिधिमंडल के अलावा भारत सरकार के विदेश मंत्रालय का एक प्रतिनिधि भी शामिल रहा।

सूत्रों के मुताबिक, बातचीत सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य दोनों सेनाओं के बीच संपर्क के नियम तय करना था। इसके अलावा, सीमा के पास सैनिकों के आमने-सामने आने से होने वाले टकराव को टालना भी महत्वपूर्ण था। इस क्षेत्र में दोनों देशों ने बड़ी संख्या में सैनिक तैनात कर रखे हैं। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि जिन बातों पर सहमति बनी है उन्हें भीषण सर्दी शुरू होने से पहले जमीन पर लागू किया जा सकेगा या नहीं, क्योंकि इस दौरान वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैनिकों के लिए रसद पहुंचाना बेहद कठिन हो जाता है। पूर्वी सेक्टर में भारत और चीन के बीच पहले दौर की कोर कमांडर स्तर की वार्ता इसी साल 6 और 7 सितंबर को वाचा-दमाई बॉर्डर मीटिंग पॉइंट पर हुई थी। किबिथू सेक्टर में स्थित वाचा भारत का सबसे पूर्वी सीमा पर मीटिंग पॉइंट है। यह बैठक ऊपरी सुबनसिरी जिले के ताकसिंग इलाके में तनाव की खबरों के बाद बुलाई गई थी। इससे पहले अगस्त में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने बीजिंग में सीमा विवाद को लेकर विशेष प्रतिनिधियों की बैठक की थी। सीमा पर विवाद का एक बड़ा कारण 1914 में ब्रिटिश भारत और तिब्बत के बीच तय हुई मैकमोहन रेखा को चीन द्वारा मान्यता न देना है। अक्टूबर में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने कहा था कि अरुणाचल प्रदेश में कई स्थानों पर भारतीय और चीनी सैनिकों का आमना-सामना हुआ है। इस पर विदेश मंत्रालय ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि जब चीनी सैनिक तय गश्त के नियमों से भटकते हैं तो एलएसी पर स्थिति समय-समय पर बिगड़ जाती है। मंत्रालय ने यह भी दोहराया कि द्विपक्षीय संबंधों के समग्र विकास के लिए सीमावर्ती इलाकों में शांति और स्थिरता बनाए रखना जरूरी है।



संसद का मानसून सत्र बना नया रिकॉर्ड: 100 दिन बाद भी नहीं हुआ सत्रावसान

सत्रावसान नहीं होने को लेकर चिंतित विपक्ष, लग रही साजिश

नई दिल्ली , एजेंसी। भारतीय संसद का हालिया मानसून सत्र एक नया और अभूतपूर्व रिकॉर्ड बना चुका है। सत्र को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हुए 100 दिन से भी अधिक हुए हैं, लेकिन अब तक औपचारिक रूप से समाप्त (सत्रावसान) नहीं किया गया है। इससे पहले, वर्ष 2008 में संसद का एक सत्र बिना औपचारिक समापन के 87 दिनों तक चला था, जो अब तक का सबसे लंबा अंतराल था।

यह मानसून सत्र 20 जुलाई को शुरू हुआ था और लोकसभा व राज्यसभा दोनों की कार्यवाही को 13 अगस्त को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया था। अब जबकि शीतकालीन सत्र की घोषणा का समय करीब आ चुका है, इस लंबे अंतराल ने सभी का ध्यान खींचा है। इस असाधारण देरी के पीछे महिला आरक्षण कानून लागू करने के लिए प्रस्तावित परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक पर संसद का एक विशेष या विस्तारित सत्र बुलाने की संभावना भी एक बड़ा कारण मानी जा रही है, हालांकि सरकार ने अभी तक इसकी तारीख और अवधि घोषित नहीं की है। प्रस्तावित संविधान संशोधन के तहत, परिसीमन के माध्यम से लोकसभा की मौजूदा 543 सीटों को बढ़ाकर अधिकतम 850 करने की योजना है। इसका मुख्य उद्देश्य 2029 के लोकसभा चुनावों से पहले संसद और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का मार्ग प्रशस्त करना है। दक्षिणी राज्यों की चिंताओं को दूर करने के लिए, सरकार हर राज्य में लोकसभा सीटों की संख्या 50 प्रतिशत तक बढ़ाने या 1971 की जनगणना के आधार पर राज्यों के बीच सीटों का मौजूदा अनुपात बरकरार रखने जैसे विकल्पों पर विचार कर रही है, हालांकि इस पर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। इस बीच, दिसंबर के पहले हफ्ते में शीतकालीन सत्र शुरू होने की संभावना है। मौजूदा सत्र को आगे बढ़ाने के लिए कम से कम दो दिन का नोटिस देना आवश्यक होता है, जबकि एक नया सत्र बुलाने के लिए कम से कम 14 दिन का नोटिस देना पड़ता है। ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि संविधान में किसी सदन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के कितने समय बाद उसका सत्रावसान होना चाहिए, इसकी कोई तय सीमा निर्धारित नहीं की गई है। इसलिए, लंबे समय तक सत्रावसान न करना अपने आप में किसी संवैधानिक या प्रक्रियागत नियम का उल्लंघन नहीं माना जाता। हालिया मानसून सत्र में संसद की उत्पादकता काफी कम रही। लोकसभा की कुल 19 बैठकें हुईं, जिनमें लगभग 114 घंटे कार्यवाही होनी थी। हालांकि, सदन की कार्यवाही केवल 17 घंटे 30 मिनट ही चली, जिससे लगभग 96 घंटे 30 मिनट का समय बर्बाद हुआ। इसी तरह, राज्यसभा में भी 114 घंटे की संभावित कार्यवाही में से केवल 37 घंटे 24 मिनट ही काम हो सका, यानी लगभग 76 घंटे 36 मिनट का समय बिना काम के बीत गया। यह सत्र विभिन्न मुद्दों पर हंगामे और व्यवधानों के कारण चर्चा से अधिक गतिरोध के लिए याद किया जाएगा।

चार मंजिला इमारत में लगी आग, दो बच्चों समेत आठ लोगों को बचाया

मुंबई, एजेंसी । दक्षिण मुंबई में रविवार तड़के चार मंजिला एक आवासीय इमारत में आग लगने के बाद दो बच्चों समेत आठ लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और इस दौरान दमकल विभाग का एक अधिकारी घायल हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि नवजीवन सोसाइटी के पास गिलदार लेन स्थित हीरा मंजिल इमारत की दूसरी मंजिल के एक कमरे में आधी रात के आसपास आग लगी और करीब पांच घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। अधिकारियों ने बताया कि दमकलकर्मियों ने तीसरी मंजिल पर फंसे एक पुरुष और दो महिलाओं को 'टर्नटेबल लैडर' की मदद से बचाया, जबकि पहली मंजिल से एक बुजुर्ग महिला को सीढ़ियों के रास्ते सुरक्षित बाहर निकाला। उन्होंने बताया कि चौथी मंजिल के एक कमरे में मौजूद एक पुरुष, एक महिला, एक लड़के और एक लड़की को भी सीढ़ियों के रास्ते निकाला गया।

तमिलनाडु में वीएस बाबू के निधन से खाली हुई कोलाथुर सीट से स्टालिन लड़ेंगे चुनाव?

-डीएमके के नेताओं और कार्यकर्ताओं की इच्छा स्टालिन दोबारा इस क्षेत्र से मैदान में उतरें

चेन्नई, एजेंसी । तमिलनाडु की कोलाथुर विधानसभा सीट पर उपचुनाव की संभावना के चलते राजनीति हलचल तेज हो गई है। इस सीट से विधायक रहे वीएस बाबू के निधन के बाद यह सीट खाली हुई है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या डीएमके प्रमुख और पूर्व सीएम एमके स्टालिन एक बार फिर इसी सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। विधानसभा चुनाव में वीएस बाबू ने स्टालिन को हराकर बड़ा राजनीतिक उलटफेर किया था।

कोलाथुर सीट लंबे समय तक एमके स्टालिन का मजबूत राजनीतिक क्षेत्र रही है। वह 2011 से लगातार इस सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे थे, लेकिन हालिया विधानसभा चुनाव में विजय की पार्टी टीवीके के उम्मीदवार वीएस बाबू ने उन्हें 8,795 मतों से पराजित कर दिया था। इस हार के साथ स्टालिन का लगातार जीत का सिलसिला टूट गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वीएस बाबू के निधन के बाद यह सीट फिर से चुनावी मुकाबले का केंद्र बन गई है। डीएमके के कुछ नेताओं और कार्यकर्ताओं की इच्छा है कि स्टालिन उपचुनाव में दोबारा इस सीट से मैदान में उतरें। पार्टी के सांसद सी रविंद्रन ने भी कहा है कि कार्यकर्ता अपने नेता



को कोलाथुर से चुनाव लड़ते देखना चाहते हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बारे में अंतिम फैसला स्टालिन को ही करना है। आगामी उपचुनाव डीएमके और टीवीके दोनों के लिए अहम माना जा रहा है। डीएमके के पास इस सीट के जरिए अपनी खोई राजनीतिक जमीन वापस पाने का अवसर होगा। यदि स्टालिन खुद चुनाव लड़ते हैं और उन्हें फिर हार का सामना करना पड़ता है, तो इसका राजनीतिक असर उनकी पार्टी पर पड़ सकता है। दूसरी ओर टीवीके के लिए अपनी पिछली जीत को दोहराना चुनौती होगी। विधानसभा चुनाव में मिली बड़ी जीत के बाद उपचुनाव से यह भी पता चलेगा कि विजय की पार्टी अपना जनसमर्थन बनाए रखने में कितनी सफल रही।